संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-133 ■ रायपुर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : अमावस्या
नक्षत्र : हस्त
प्रथम करण : चतुष्पदा
द्वितीय करण : नागा
पक्ष : कृष्ण
वार : शनिवार
योग : इंद्र
सूर्योदय : 06:22
सूर्यास्त : 17:54
चंद्रमा : कन्या राशि में
राहुकाल : 09:15 - 10:41
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:44 - 12:30

यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के बाद प्रोफेसर बर्खास्त

नई दिल्ली। JNU यौन उत्पीड़न के मामले में एक्शन हुआ है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उस प्रोफेसर को बर्खास्त कर दिया है जिसके ऊपर 11 छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। बता दें कि प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच इंटरनल कमिटी ने की है। जांच के नतीजों के आधार पर इंटरनल कमिटी ने सर्विस नियमों और सेंट्रल सिविल सर्विसेज रूल्स के नियम 11(ix) के अंतर्गत प्रोफेसर को कड़ी सजा देने की सिफारिश की है।

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की बड़ी पहल, चार संस्थाओं के साथ एमओयू

युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा प्रशिक्षण, रोजगार के खुलेंगे नए अवसर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल शैक्षणिक योग्यता तक सीमित न रखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी कौशल से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एवं कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू), तकनीकी शिक्षा में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

चार संस्थाओं के साथ एमओयू से युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण

दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 के समापन अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी।



टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी। इसी प्रकार अडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और रोजगार क्षमता में वृद्धि के लिए नांदी फाउंडेशन के सहयोग से सॉफ्ट स्किल, अंग्रेजी संवाद कौशल, साक्षात्कार की तैयारी एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष इस संस्था के माध्यम से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश समेत 3 राज्यों में चला बीजेपी का 'विजय रथ'

जीतीं 10 सीटें; सपा को 2 मिलीं, लेकिन कांग्रेस का पत्ता साफ

नई दिल्ली ■ एजेंसी



राज्यसभा चुनाव 2026 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में BJP का डंका बजा है। 12 सीटों पर चुनाव हुआ और उसमें 10 सीटें अकेले बीजेपी ने जीत ली हैं। सपा को भी उत्तर प्रदेश की 2 राज्यसभा सीटें जीतने में कामयाबी मिली है। हालांकि, कांग्रेस इस चुनाव में 1 भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। जानें किस उम्मीदवार को कहां से जीत मिली है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो राज्यसभा चुनाव में बिना वोटिंग के ही बीजेपी के गोपीकृष्ण पांडे, धर्मपाल सिंह, प्रियंका सिंह रावत, राधाकांत ओझा, राम प्रकाश पाल, राम प्रताप सिंह, विद्या सागर सोनकर और श्रुति गंगवार को जीत मिल गई है। वहीं, सपा के टिकट पर धनराज नाथवानी और रामगोपाल यादव ने विजय हासिल की है। ये सभी निर्विरोध चुनाव जीते हैं।

वहीं, उत्तराखंड के राज्यसभा चुनाव में बीजेपी के दिनेश कुमार आर्य की जीत हुई है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में निर्विरोध निर्वाचित हुए इन सभी सांसदों का कार्यकाल 25 नवंबर 2032 तक रहेगा। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में राज्यसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था क्योंकि मौजूदा AITC की सांसद रुक्मिणी मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। अब रुक्मिणी मलिक बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं और निर्विरोध निर्वाचित हो गई हैं।

लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के रिजल्ट पर आया पीएम मोदी का पहला बयान, बोले- 'यह जनादेश हमें और मजबूती देगा'

नई दिल्ली ■ एजेंसी



देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों और 1 लोकसभा सीट के नतीजे शुक्रवार को सामने आ रहे हैं। बता दें कि ये उपचुनाव पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम, पुडुचेरी की थट्टांचावडी और तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम सीट पर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे और असम की नगांव लोकसभा सीट पर हुए थे। इनमें से नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत हुई है। इसके साथ ही नगांव लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी जीत की ओर बढ़ रही है। ऐसे में उपचुनाव के इन नतीजों पर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान भी सामने आ गया है।

उपचुनाव में भाजपा के बेहतरीन प्रदर्शन पर पीएम मोदी ने कहा- "लोगों के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के लिए उनका आभार। नगांव (असम) के लोकसभा चुनाव और नंदीग्राम व रेजीनगर (पश्चिम बंगाल) के विधानसभा चुनाव के नतीजे एक बार फिर दिखाते हैं कि लोगों का BJP-NDA के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है। मैं जीत हासिल करने वाले BJP उम्मीदवारों को बधाई देता हूं और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूं।" पीएम मोदी ने आगे कहा- "मैं पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर जीत के लिए NDA के अपने अहम सहयोगी, AINRC को भी बधाई देता हूं। यह जनादेश हमें और मजबूती देगा, क्योंकि हम लोगों की भलाई और उनके बेहतर व समृद्ध भविष्य की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।"

मानव | ग्रह | प्रगति

जिम्मेवार खनन और नवाचार के माध्यम से विकास को बढ़ावा

एनएमडीसी लिमिटेड की 68वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का वक्तव्य



टर्नओवर
31,554 करोड़ रूपए



कर पश्चात लाभ
7,421 करोड़ रूपए



उत्पादन
53.16 मिलियन टन



बिक्री
50.24 मिलियन टन



प्रिय शेयर धारकों,

मुझे एनएमडीसी लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025–26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, एक ऐसा वर्ष जो मजबूत प्रदर्शन, महत्वपूर्ण माइलस्टोन और हमारी दीर्घकालिक विजन की दिशा में निरंतर प्रगति को चिह्नित करता है।

वर्ष 2026 ने हमारी राष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय चिह्नित किया है। वैश्विक आर्थिक और भू–राजनैतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की प्रगति स्थिर और निर्णायक बनी हुई है। वित्त वर्ष'26 में 7.7% की हमारी वास्तविक जीडीपी वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत और निवेश गति को दर्शाती है। भारत प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक भागीदारी में भी नेतृत्व को सुनिश्चित कर रहा है।

एनएमडीसी के लिए यह 'यूरेका' क्षणों से भरा वर्ष रहा है, जहां हमने अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की पहचान की और अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने के लिए गहन परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। वित्त वर्ष' 26 में, हम भारत में एक ही वर्ष में 50 मिलियन टन से अधिक लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली पहली खनन कंपनी बन गए हैं और इतिहास रचते हुए 53.16 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन और 50.24 मिलियन टन की बिक्री हासिल की। ये आंकड़े वर्ष–दर–वर्ष उत्पादन में 20.62% की वृद्धि और बिक्री में 13.15% की वृद्धि को दर्शाते हैं, जो कि वर्तमान उत्पादन और बिक्री उपकरणों और बुनियादी ढांचे की क्षमताओं और काबलियत को अनुकूलित और पार करके स्वाभाविक रूप से प्राप्त किया है। एनएमडीसी ने एक ही वर्ष में उत्पादन में इतनी बड़ी बढ़ोतरी करके अपनी क्षमता साबित की है, जो उद्योग में अभूतपूर्व और अद्वितीय है। इस सराहनीय प्रदर्शन के माध्यम से, एनएमडीसी ने भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास की नींव को मजबूत करने में विशेष योगदान दिया है।

यह परिचालन उत्कृष्टता स्वाभाविक रूप से कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में परिलक्षित हुई, जिसने कारोबार और अन्य वित्तीय पैरामीटर में नए शिखर दर्ज किए। परिचालन से राजस्व 33.31% बढ़कर 31,554 करोड़ रूपए हो गया, कर–पश्चात लाभ 10.88% बढ़कर 7,421 करोड़ रूपए दर्ज हुआ और नेटवर्थ 14.39% बढ़कर 33,836 करोड़ रूपए हुआ। एनएमडीसी ने वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय में 3,384 करोड़ रुपये का निवेश किया और शेयरधारकों को महत्व देते हुए वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान 2.50 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया और 1 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा, जो कि शेयरधारक अनुमोदन के अधीन है ।

भारत में तेजी से हो रहे औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और जिम्मेदारी से प्रबंधित खनिज संसाधनों की आवश्यकता है। इसलिए 100 एमटीपीए लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की हमारी विजन 2030 केवल एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक खनिज सुरक्षा और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान है ।

विकास के आधार को मजबूत करना

एनएमडीसी की यात्रा का अगला चरण अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षा को सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद संचालन में बदलने पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए हमारा 60 एमटी का उत्पादन लक्ष्य, 100 एमटीपीए के मार्ग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमारे एकीकृत खनन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई। किरंदुल–जगदलपुर रेल–लाइन के दोहरीकरण की 98% प्रगति हो चुकी है, जिसमें 140 किमी का काम पूरा हो चुका है और इसे चालू किया जा चुका है। साथ ही, 26 सितंबर, 2026 को कंपनी ने अपनी स्लरी पाइपलाइन परियोजना को कमीशन किया और इसके साथ नगरनार, छत्तीसगढ़ में अपने पेलेट प्लांट में फायर्ड पेलेट की पहली बैच का उत्पादन किया। यह उपलब्धि पूरे एसपीएल प्रणाली के सफल एकीकृत कमीशनिंग को चिह्नित करता है, जिसमें बचेली में लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र (आईओपीपी), तीन जिलों को पार करने वाली 135 किमी लंबी स्लरी पाइपलाइन और नगरनार में 2.0 मिलियन टन पेलेट प्लांट शामिल हैं। ये परियोजनाएं निकासी क्षमता को बढ़ाएंगी और बैलाडीला मूल्य–श्रृंखला की समग्र दक्षता में सुधार करेंगी।

एनएमडीसी ने अपने घरेलू खनिज पोर्टफोलियो में विविधता लाना जारी रखा है। झारखंड में तोकिसूद नॉर्थ परियोजना ने जनवरी 2026 में खनन कार्य शुरू किया, जो घरेलू कोयला खनन में हमारी एंट्री को चिह्नित करता है।

एनएमडीसी–सीएमडीसी लिमिटेड के माध्यम से बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट–4 की शुरुआत फरवरी 2026 में वाणिज्यिक संचालन के साथ की गई थी। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट–13 के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की गई, जो एनएमडीसी–सीएमडीसी लिमिटेड का ही एक हिस्सा है। इसके परिणामस्वरूप परवर्ती महीनों में इसका वाणिज्यिक संचालन शुरू हुआ।

मुझे यह बताते हुए भी गर्व हो रहा है कि एनएमडीसी ने अपने मानव पूंजी के अथक और समर्पित प्रयासों को सही मान्यता देते हुए वर्ष के दौरान नई आवास और सहायक सुविधाओं को चालू करके परियोजनाओं में अपने कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए वास्तविक प्रयास किए और बैलाडीला और दोणिमलै परिसरों के अपने टाउनशिप में कुछ अन्य ऐसी परियोजनाओं की शुरुआत की।

एक विश्व स्तरीय, वैश्विक खनिज दिग्गज कंपनी के रूप में उभरने के लिए दुबई, यूएई और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हमारे कार्यालयों के खुलने के साथ हमारी गंभीरतापूर्ण प्रयासों को एक बड़ी गति मिली है। इन कार्यालयों से विदेश में एनएमडीसी की खनिज विविधीकरण यात्रा में सहायता मिलने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी, सुस्थिरता और लोग

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार एनएमडीसी के संचालन का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य परिचालन दृश्यता, निर्णय लेने, उत्पादकता और सुरक्षा में सुधार करना है। उठाए गए पहलों में डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट, ऑटोमैटिक सैम्पलिंग, डिजिटल रूप से सक्षम ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग, रियल–टाइम मटेरियल विजिबिल्टी और इंटिग्रेटेड सस्टैनबिल्टी डेटा सिस्टम शामिल हैं।

जिम्मेवारीपूर्ण विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता समान रूप से मजबूत बनी हुई है। एनएमडीसी अधिक ऊर्जा और संसाधन दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग में वृद्धि, बेहतर जल और भूमि प्रबंधन और कम–कार्बन लॉजीस्टिक्स पर कार्य कर रहा है। हमारी नेट जीरो रणनीति और रोडमैप, हमारे संचालन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए एक व्यवस्थित दिशा प्रदान करते हैं।

इस परिवर्तन के केंद्र में हमारे लोग हैं। सुरक्षा हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जो कौशल–विकास, नेतृत्व को बेहतर बनाने और डिजिटल क्षमताएँ बढ़ाने के माध्यम से मानव–पूंजी में विशेष रूप से निवेश कर रही है।

सीएसआर पहलों के माध्यम से एनएमडीसी स्वास्थ्य–देखभाल, शिक्षा, कौशल–विकास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे में भी योगदान दे रहा है, विशेषकर हमारे प्रचालन के आस–पास के क्षेत्रों में।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

कॉर्पोरेट गवर्नेंस एनएमडीसी की संगठनात्मक संस्कृति का मुख्य आधार है, जो हमारे काम–काज और निर्णय लेने के हर पहलू को मजबूती देता है। हम अपने सभी हितधारकों, जिनमें शेयरधारक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, ऋणदाता, भारत सरकार, राज्य सरकारें, नियामक प्राधिकरण और वे समुदाय हैं, जिनकी हम सेवा करते हैं, उनके लिए स्थायी दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अखंडता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए, शब्दों और भावना दोनों में, हम लागू नियमों और विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। पारदर्शी शासन प्रथाओं, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेने के माध्यम से, हम हितधारकों के विश्वास को मजबूत करते हैं और मूल्य– निर्माण को सुरक्षित रखते हैं।

भविष्य की राह

आने वाला वर्ष निष्पादन, समेकन और परिवर्तन का वर्ष होगा। हमारे उच्च उत्पादन आधार को स्थिर करना, 60 एमटी उत्पादन माइलस्टोन तक पहुंचना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं को पूरा करना और क्षमता–विस्तार के अगले चरणों को आगे बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताएं बनी रहेंगी।

100 एमटीपीए की ओर यात्रा के लिए परिचालन उत्कृष्टता, अनुशासित पूंजी आवंटन, मजबूत परियोजना निष्पादन, प्रौद्योगिकी अपनाने और सुरक्षा व स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, एनएमडीसी भारत की विकसित हो रही खनिज–सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में विविधीकरण के अवसरों का पता लगाना जारी रखेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि एनएमडीसी के पास आगे आने वाले अवसरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए संसाधन, क्षमताएं और संस्थागत ताकत है। हम एक ऐसा उद्यम बना रहे हैं जो पैमाने में बड़ा, क्षमता में मजबूत, प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक स्मार्ट और अपने कार्यों में अधिक जिम्मेदार है।

मैं भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अन्य सरकारी विभागों और राज्य सरकारों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

मैं अपने कर्मचारियों और उनके यूनियनों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, साझेदारों, मेजबान समुदायों, नियामकों और शेयरधारकों को उनके निरंतर विश्वास और भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देता हूं।

हम सभी मिलकर एनएमडीसी को विश्व–स्तर पर प्रतिस्पर्धी खनन उद्यम के रूप में विकसित करेंगे और एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर और खनिज–सुरक्षित भविष्य की ओर भारत की यात्रा के केंद्र में बने रहेंगे।

जय हिन्द !

दिनांक : 28.09.2026
स्थान : हैदराबाद

अमिताभ मुखर्जी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक



एनएमडीसी NMDC
जिम्मेवार खनन
वैज्ञानिक | सुस्थिर | खुशियां बिखेरते हुए

R.O. No : SCTG/24979/26-27

/nmdclimited | पंजीकृत कार्यालय : 10-3-311/ए, 'खनिज भवन', कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद -500028 | वेबसाइट : www.nmdc.co.in |सीआईएन: L13100TG1958GOI001674

नोट : उपरोक्त कथन एनएमडीसी के 28.09.2026 को आयोजित 68वीं एजीएम की कार्यवाही का रिकॉर्ड होने का दावा नहीं करता है ।

सूर्यास्त के बाद आधी रात में क्यों किया गया नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार? बेटे मल्हार ने बताई परिवार के इस फैसले की वजह

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत में शोक की लहर है। गुरुवार, 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन के बाद पुणे स्थित फार्महाउस पर अंतिम संस्कार किया गया, जहां उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

इस दौरान अभिनेता को तीन राउंड की सलामी भी दी गई। परिवार के सदस्यों, करीबी लोगों और फिल्म जगत की हस्तियों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कई राजनीतिक हस्तियां भी अभिनेता के अंतिम दर्शन के लिए पहुंचीं। अंतिम संस्कार के बाद उनके बेटे मल्हार पाटेकर ने मीडिया से बातचीत की और बताया कि परिवार ने उसी दिन अंतिम संस्कार करने का फैसला क्यों लिया।

नाना पाटेकर के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए पुणे स्थित उनके फार्महाउस पर लाया गया था। यहां उनके परिवार और करीबी लोगों ने फूल अर्पित कर अभिनेता को श्रद्धांजलि दी।

राजकीय सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार के दौरान माहौल बेहद भावुक रहा। अपने पसंदीदा अभिनेता को अंतिम विदाई देने के लिए फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग भी पहुंचे। अभिनेता जैकी श्रॉफ, निर्देशक अनिल शर्मा और अनीस बज्मी के अलावा निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने भी डोंजे गांव



पहुंचकर नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।

बेटे मल्हार ने बताया, उसी दिन क्यों किया अंतिम संस्कार?

नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियों ने उनके अंतिम दर्शन की इच्छा जताई थी। ऐसे में देर रात अंतिम संस्कार किए जाने को लेकर उनके बेटे मल्हार पाटेकर से सवाल पूछा गया। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में मल्हार ने बताया कि परिवार ने अंतिम संस्कार उसी दिन करने का फैसला क्यों लिया। मल्हार ने कहा कि उनके पिता का निधन सुबह जल्दी हो गया था और तब तक काफी समय बीत चुका था। इसी वजह से परिवार ने अंतिम संस्कार को उसी दिन पूरा करने का निर्णय लिया।

उनके बयान से साफ हुआ कि परिवार ने परिस्थितियों को देखते हुए अंतिम विदाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का फैसला किया।

पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगे मल्हार पाटेकर

पिता को खोने के गम के बीच मल्हार पाटेकर ने उनके व्यक्तित्व और विचारों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि नाना साहेब जैसे व्यक्ति कभी वास्तव में दुनिया से विदा नहीं होते, क्योंकि उनके काम और उपलब्धियां उन्हें अमर बना देती हैं। मल्हार के मुताबिक उनके पिता का मानना था कि लोगों को एक साथ आना चाहिए और वैश्विक स्तर पर सही रास्ते पर चलने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि नाना साहेब ने जो सोच और दृष्टिकोण पीछे छोड़ा है, उसे आगे बढ़ाना ही भविष्य में जीवन को दिशा देने का तरीका होगा। मल्हार की इन बातों से जाहिर हुआ कि परिवार के लिए अभिनेता की यादें ही नहीं, बल्कि उनके सिद्धांत और विचार भी बेहद अहम हैं। उनके बेटे का यह संकल्प नाना पाटेकर के प्रशंसकों के लिए भी भावुक कर देने वाला रहा।

नाना पाटेकर के निधन पर किए कमेंट को लेकर ट्रोल हुईं तनुश्री दत्ता



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार, 8 अक्टूबर को निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर आते ही बॉलीवुड हस्तियों से लेकर राजनीति जगत के दिग्गजों तक ने शोक जताया। अक्षय कुमार, शाहरुख खान से लेकर अमिताभ बच्चन तक ने नाना पाटेकर पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। दूसरी तरफ तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर के निधन के बाद उन्हें 'इविल डेड' कहते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसे लेकर वह ट्रोल्स से घिर गईं। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी अब इस कमेंट को लेकर तनुश्री दत्ता को आड़े हाथ लिया है। नाना पाटेकर के निधन के बाद इस तरह के कमेंट को लेकर AICWA के संस्थापक और अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस के बयान को 'सस्ती पब्लिसिटी' करार देते हुए उनके बयान की आलोचना की है।

एआईसीडब्ल्यूई ने अपने आधिकारिक बयान में लिखा- 'दिग्गज नाना पाटेकर के निधन पर तनुश्री दत्ता के 'इविल डेड' वाले बयान की AICWA कड़ी निंदा करता है।' वहीं AICWA के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता कहते हैं- 'नाना पाटेकर जी के निधन के बाद तनुश्री दत्ता का स्टेटमेंट आता है, जिसमें उन्होंने इविल शब्द का इस्तेमाल किया था। AICWA तनुश्री दत्ता के इस बयान की कड़ी निंदा करता है। ये तनुश्री दत्ता का माइंडसेट दिखाता है। नाना जी एक सम्मानित व्यक्ति थे। सिर्फ एक अभिनेता नहीं, उन्होंने एक समाज सेवक के तौर पर भी काम किया। उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। देश के प्रधानमंत्री भी नाना जी के जाने पर शोक मना रहे हैं।'

'आपकी वजह से पूरी इंडस्ट्री का नाम खराब हो रहा है'- सुरेश श्यामलाल गुप्ता

'तनुश्री ने चीप पब्लिसिटी के लिए आज का दिन चुना, और ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो बॉलीवुड के इतिहास और पूरी भारतीय फिल्म जगत के इतिहास में किसी के भी जाने पर कोई नहीं करेगा। तनुश्री दत्ता के इस बयान के लिए आईसीडब्ल्यूए उनकी कड़ी निंदा करता है। आज नाना पाटेकर जी हमारे बीच में नहीं हैं और पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। तनुश्री जी आप लंदन जाओ, लखनऊ जाओ, आपका महत्वपूर्ण दिन है। आप लाइव आओ, जो करना है करो। आपमें किसी को इंटरेस्ट नहीं है। लेकिन, नाना जी के बारे में इंटरेस्ट है। अपनी चीप पब्लिसिटी के लिए आज का दिन चुनकर इंडस्ट्री का नाम खराब न करें। आप जैसे लोगों की वजह से पूरे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का नाम खराब हो रहा है। आज हमें बोलना पड़ा, क्योंकि अब नाना जी हमारे बीच में नहीं हैं। उनके जाने के बाद जब कोई ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करता है तो दुख होता है। चाहे उनका परिवार हो, देश हो या फिर फिल्म इंडस्ट्री, सभी आपके शब्दों के खिलाफ हैं।'

तनुश्री दत्ता को पड़ी फटकार

'आपने सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का ही नाम खराब नहीं किया है, बल्कि इंडस्ट्री के ऊपर एक चिह्न लगा दिया है। ये आपकी पर्सनल राय है और कोई इसके बारे में नहीं जानना चाहता।

सिनेमाघरों के बाद OTT पर इमरान हाशमी का होगा कब्जा

मुंबई (एजेंसी)। इमरान हाशमी के फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद उनकी फिल्म 'आवारापन 2' अब ओटीटी पर भी दस्तक दे चुकी है। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी और शबाना आजमी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। साल 2007 में आई फिल्म 'आवारापन' को भले ही रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस पर खास सफलता नहीं मिली थी, लेकिन समय के साथ इसने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना ली। फिल्म के गाने और इमरान हाशमी के किरदार शिवम पंडित को आज भी काफी पसंद किया जाता है। ऐसे में सीक्वल को लेकर दर्शकों में खास उत्साह देखने को मिला। अब फिल्म की ओटीटी रिलीज के बाद फैंस इसे घर बैठे देख सकते हैं।

किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई 'आवारापन 2'?

इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा करके इसकी जानकारी दी। इस वीडियो में इमरान



हाशमी अपने जाने-पहचाने गंभीर अंदाज में नजर आते हैं और हेडफोन लगाकर 'तेरा मेरा रिश्ता' गाना सुनते दिखाई देते हैं। यह गाना पहली फिल्म से जुड़ी दर्शकों की यादों को ताजा करता है। प्राइम वीडियो ने वीडियो के साथ शिवम पंडित से एक बार फिर मिलने का संदेश साझा किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। एक यूजर ने इमरान हाशमी के स्टारडम की तारीफ करते हुए लिखा कि पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री एक तरफ और इमरान हाशमी एक तरफ हैं। वहीं, दूसरे फैन ने गाने के प्रति अपने जुड़ाव का जिक्र किया। कुछ दर्शकों ने अभिनेता के अंदाज की तारीफ की तो कुछ ने फिल्म के ओटीटी पर आने की खुशी जाहिर की।

करीब दो दशक बाद फिर लौटे शिवम पंडित

'आवारापन 2' की सबसे बड़ी खासियत इमरान हाशमी का शिवम पंडित के किरदार में वापस आना है। पहली फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था और उसमें शिवम की कहानी ने दर्शकों को भावुक कर दिया था। वक्त के साथ फिल्म को कल्ट क्लासिक जैसा दर्जा मिला और इसके संगीत ने भी लोकप्रियता हासिल की। सीक्वल में कहानी को आगे बढ़ाया गया है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जबकि इसकी पटकथा नितिन कक्कड़, बिलाल सिद्दीकी और विशेष भट्ट ने लिखी है। इसका निर्माण विशेष फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। इमरान हाशमी के अलावा फिल्म में दिशा पाटनी, शबाना आजमी, पूरन गैबी, विजयंता कोहली और सुविंदर विक्की जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं।

क्या है 'आवारापन 2' की कहानी?

फिल्म की कहानी शिवम पंडित के जीवन के उस दौर को दिखाती है, जब वह अपराध की दुनिया से दूर हो चुका है। राजस्थान के एक दूरदराज गांव में अपनी प्रेमिका आलिया की कब्र के पास बैठा शिवम अपने अतीत और जिंदगी के मकसद को लेकर सवालों से जूझता है। बीते समय में किए गए कामों का बोझ उसके मन पर है और वह दुनिया से दूरी बनाकर अकेले रहना चाहता है। हालांकि उसकी जिंदगी में एक अप्रत्याशित रिश्ता उम्मीद की नई किरण लेकर आता है।

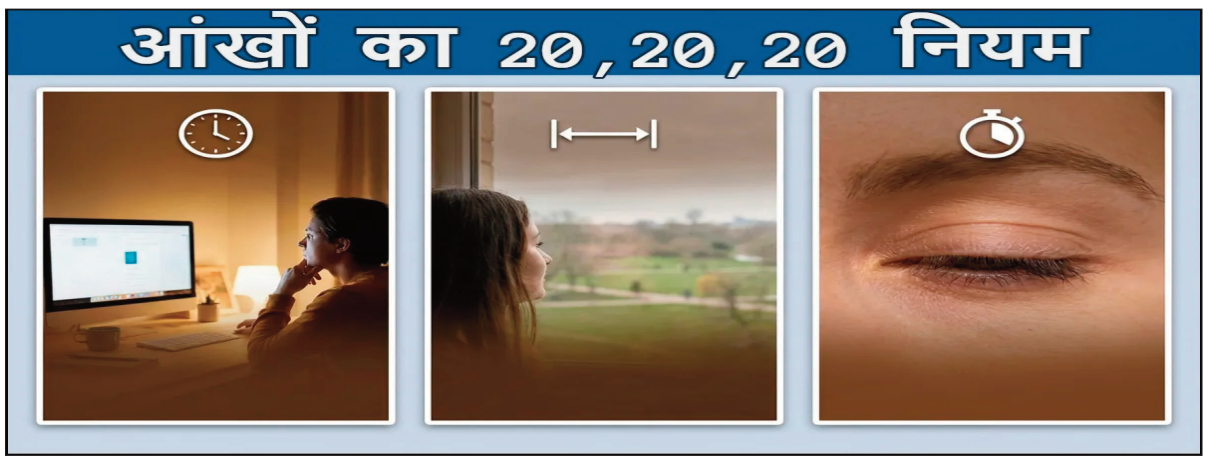
शिवम को लगता है कि शायद वह जिंदगी में कुछ खोया हुआ दोबारा हासिल कर सकता है, लेकिन हालात उसे फिर उसी दुनिया में खींच लेते हैं, जिससे वह बाहर निकल चुका था। बैंकॉक में चल रही कार्टेल की लड़ाई के बीच उसकी जिंदगी एक बार फिर खतरनाक मोड़ ले लेती है। इसके बाद शिवम को अपने अतीत, रिश्तों और मौजूदा परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। 'आवारापन 2' को सिनेमाघरों में रिलीज के बाद समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं। हालांकि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पुरानी यादों और इमरान हाशमी की वापसी के कारण उत्साह बना रहा।

सेहत

कंप्यूटर, लैपटॉप पर काम करने वालों के लिए 20,20,20 का नियम

आंखों में नजर से जुड़ी समस्या जब तक नहीं होती, हम रोजाना की दिनचर्या में इन पर कोई ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में आंखों से जुड़ी समस्याएं जिस तेजी से बढ़ी हैं, बच्चों और युवाओं को अपनी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। इससे प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस को रोका जा सकता है। इसके लिए आंखों की नियमित जांच, आंखों के लिए खराब स्थितियों और समय पर सही इलाज की जानकारी जरूरी है।

आंखों की रोशनी बचाने के लिए कुछ आसान लेकिन नियमित आदतें भी जरूरी हैं। युवाओं को नियमित रूप से आंखों की पूरी जांच करानी चाहिए, भले ही उन्हें किसी तरह की परेशानी महसूस न हो। डॉक्टर महिपाल सिंह सचदेव (चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स) के मुताबिक,



डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, परिवार में ग्लूकोमा या आंखों से जुड़ी दूसरी बीमारी का इतिहास होने पर ज्यादा नियमित जांच की जरूरत हो सकती है। बच्चों की भी नजर की जांच कराना जरूरी है, खासकर अगर उन्हें बार-बार सिरदर्द होता है, पढ़ने में परेशानी होती है, वे बार-बार आंखें मलते हैं, आंखें सिकोड़कर देखते हैं या स्कूल में बोर्ड देखने में दिक्कत होती है। खेल के दौरान या मशीनरी और केमिकल के साथ काम करते समय सही आई प्रोटेक्शन पहनने से आंखों में होने वाली गंभीर चोटों से बचाव किया जा सकता है।

आंखों के लिए जरूरी 20,20,20 नियम

अगर आप लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते हैं, डिजिटल स्क्रीन पर समय बिताते हैं तो आंखों को आराम देना भी जरूरी है। रोजमर्रा की दिनचर्या में आई केयर को शामिल करना जरूरी है। इसके लिए आप 20-20-20 नियम अपना सकते हैं। इससे डिजिटल आई स्ट्रेन को कम करने में मदद मिल सकती है। इस नियम में आपको हर 20 मिनट में करीब 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखना होता है। पर्याप्त रोशनी, स्क्रीन को आंखों से सही दूरी पर रखना, बार-बार पलकें झपकाना और पूरी नींद लेना भी आंखों को आराम देने में मदद कर सकता है।

आंखों में होने वाली बीमारी और उनके कारण

प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस की शुरुआत हमेशा किसी गंभीर या साफ दिखाई देने वाली आंखों की बीमारी से नहीं होती। कैटरेक्ट, ग्लूकोमा, डायबिटिक आई डिजीज, नजर का नंबर, कॉर्निया से जुड़ी बीमारियां और रेटिना से जुड़ी कुछ बीमारियां धीरे-धीरे नजर को प्रभावित कर सकती हैं। कैटरेक्ट दुनिया भर में नजर कमजोर होने के ऐसे प्रमुख कारणों में से एक है, जिसका इलाज संभव है।

कैटरेक्ट के अलावा ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी बीमारियों में भी समय पर पहचान बेहद जरूरी है। ये बीमारियां लंबे समय तक बिना किसी साफ लक्षण के बढ़ सकती हैं।

ग्लूकोमा ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचाकर नजर को स्थायी रूप से प्रभावित कर सकता है, वहीं डायबिटीज रेटिना की नसों को नुकसान पहुंचाकर नजर को कमजोर कर सकती है।

मेनोपॉज के बाद क्यों कमजोर होने लगती हैं हड्डियां?

मेनोपॉज़ आमतौर पर महिलाओं में 45 से 55 साल की उम्र के बीच होता है। इस दौरान शरीर में एस्ट्रोजन जैसे रिप्रोडक्टिव हार्मोन का स्तर कम होने लगता है, जिसका असर महिलाओं की सेहत पर कई तरह से पड़ सकता है। खासकर इसका सबसे ज़्यादा असर महिलाओं की हड्डियों पर पड़ता है। नई दिल्ली स्थित आकाश हेल्थकेयर में डायरेक्टर और हेड - डिपार्टमेंट ऑफ़ ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, डॉ. आशीष चौधरी बता रहे हैं कि ऐसा क्यों होता है और आपको कौन सी सावधानी बरतनी चाहिए?

मेनोपॉज़ हड्डियों की सेहत को कैसे प्रभावित करता है?

डॉक्टर आशीष चौधरी कहते हैं कि जैसे-जैसे मेनोपॉज़ नज़दीक आता है महिलाओं में एस्ट्रोजन का स्तर कम होता है जिससे हड्डियों का घनत्व कम होने लगता है, और यह प्रक्रिया मेनोपॉज़ के बाद भी जारी रहती है। एस्ट्रोजन की कमी ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ाती है, जिसमें हड्डियाँ कमज़ोर और कम घनत्व वाली हो जाती हैं और आसानी से टूट जाती हैं। मेनोपॉज़ के बाद शुरुआती पाँच सालों में महिलाएँ अपनी बोन मास का लगभग 10% हिस्सा खो देती हैं, जिसके बाद हड्डी का नुकसान धीरे-धीरे कम हो जाता है।

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए अपनी डाइट में कैल्शियम से भरपूर फूड्स जैसी डेयरी प्रोडक्ट्स, बादाम, ब्रोकली,सैल्मन मछली, सार्डिन और टोफू जैसे खाद पदार्थ को शामिल करें। 19 से 50 साल की उम्र की महिलाओं के लिए रोज़ाना 1,000 मिलीग्राम कैल्शियम लेने की सलाह दी जाती है। अगर आपको अपने खाने से काफ़ी कैल्शियम नहीं मिल रहा है, तो सप्लीमेंट्स के लिए डॉक्टर से बात करें। इसके अलावा शारीरिक गतिविधि को डेली रूटीन में शामिल करें। पैदल चलना, जॉगिंग करना और सीढ़ियाँ चढ़ना - ये सभी 'वेट-बेयरिंग' (वज़न उठाने वाली) एक्सरसाइज़ हैं जो मज़बूत हड्डियाँ बनाने में मदद कर सकती हैं

विटामिन D कम न होने दें

कैल्शियम के अलावा, यह पक्का करें कि विटामिन D का लेवल भी सही हो। कैल्शियम को सोखने के लिए आपके शरीर को विटामिन D की ज़रूरत होती है।

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती, 70 प्रतिशत तक कम कीमत पर मरीजों को मिलेंगी, सरकार ने लिया बड़ा फैसला



केंद्र सरकार ने कैंसर की दवाओं की कीमतें कम करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जिससे कैंसर के मरीजों को बड़ी राहत मिल सकती है। सरकार के नए फैसले के मुताबिक, अब सूची से बाहर की कैंसर दवाओं की बिक्री पर मुनाफे का मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत तय किया जाएगा। यानि ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित करने का फैसला लिया है। इससे दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत तक की कमी आने और मरीजों को हर साल करीब 2500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। सरकार के मुताबिक, कुछ कैंसर दवाओं की कीमतें सप्लाई के दौरान कई गुना तक बढ़ जाती हैं। नए फैसले से दवाओं की कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी पर रोक लगेगी।

कौन सी दवाओं को पर लागू होगा नियम

नए नियम की सूची विशेषज्ञ समिति तैयार करेगी। यह नियम ब्रांडेड, जेनेरिक, देश में बनी और विदेश से आयात की गई दवाओं पर लागू होगा। सरकार ने दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कंपनियों को मौजूदा उत्पादन स्तर बरकरार रखने का भी निर्देश दिया है। नए नियम के बाद कैंसर की महंगी दवाओं की कीमतों में भी गिरावट आएगी। जिससे आप आदमी पर बोझ हल्का होगा।

2019 में सरकार ने उठाया था कदम

सरकार की ओर से कहा गया है कि यह फैसला 2019 में किए गए हस्तक्षेप का अगला स्टेप है। उस समय 526 ब्रांड की कैंसर दवाओं को लेकर किए गए कदम से सालाना करीब 984 करोड़ रुपये की बचत होने की बात सामने आई थी। अब नए फैसले के जरिए गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को सीमित कर सरकार ने मरीजों के लिए इलाज को अधिक किफायती बनाने पर जोर दिया है। माना जा रहा है कि इस फैसल के बाद मरीजों को हर साल करीब 2500 करोड़ रुपये का फायदा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

आपको बता दें हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की बढ़ी कीमतों और उनमें प्राइवेट अस्पतालों के द्वारा लिए जा रहे भारी मार्जिन को लेकर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने सरकार को कैंसरी की दवाओं पर एक सीमित मार्जिन रखने का आदेश दिया था, जिससे आम आदमी पर दवाओं के खर्चे का बोझ कम किया जा सके।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

शनिवार 10 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

जब्त मादक पदार्थों का किया गया नष्टीकरण

बिलासपुर। जिले के थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थों का नष्टीकरण जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति के सदस्यों की उपस्थिति में सुधा बॉयो पावर प्राईवेट लिमिटेड मोहतराई के भट्ठी में विधिवत जलाकर एवं रोलर के माध्यम से नष्टकर किया गया। नष्ट किये गए मादक पदार्थों में गांजा 302.642 किग्रा, सीरप 1989 नग, ब्राउन शुगर 2.9 ग्राम, इंजेक्शन एम्पुल 9641 नग, चरस 9.38 ग्राम, कैप्सूल 248 नग, टेबलेट 11610 नग शामिल है। इस दौरान ड्रग डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री पंकज कुमार पटेल, सहायक आबकारी आयुक्त श्री नवनीत तिवारी, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी व पंचान की उपस्थिति रही।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन आज

बिलासपुर। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह 10 अक्टूबर को सवेरे 10.30 बजे स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में आयोजित होगा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह, श्री दीपक सिंह ठाकुर, श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। समारोह में विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। गौरतलब है कि बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की तीरंदाजी, 19 वर्ष आयु वर्ग की हॉकी और 19 वर्ष बालक वर्ग की कबड्डी के मुकाबले बहतराई के एस्ट्रोटर्फ, इंडोर स्टेडियम और तीरंदाजी मैदान में खेले गये।

बिग बिलियन डेज़ सेल में मोटोरोला के स्मार्टफोन पर खास ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के तहत अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष फेस्टिव ऑफर पेश किए हैं। 'इट्स द टाइम टू मोटो' अभियान के तहत ग्राहक कंपनी के विभिन्न स्मार्टफोन पर छूट और अन्य लाभ उठा सकते हैं। इस रेंज में मोटोरोला एज 70 फ्यूजन, एज 70 प्रो, एज 70 प्रो+ और प्रीमियम फ्लैगशिप मोटोरोला सिग्नेचर के साथ मोटो जी37 पावर शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन ऑफर्स का उद्देश्य त्योहारों के दौरान ग्राहकों के लिए नया स्मार्टफोन खरीदना आसान बनाना है। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन में एआई फोटोग्राफी, प्रीमियम क्वाड-कर्व्ड डिजाइन और दमदार बैटरी जैसे फीचर दिए गए हैं। यह फोन 30 हजार रुपए के बजट में प्रीमियम अनुभव चाहने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है।

इचकेला छात्रावास की 20 बेटियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में दिखाया दमखम, सरगुजा जोन को दिलाया दोहरा स्वर्ण

जशपुर की बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास, अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जशपुर जिले की बेटियों ने क्रिकेट के मैदान में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की है। शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास इचकेला में रहकर अध्ययन करने वाली बालिका खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के अंडर-17 और अंडर-19 दोनों आयु वर्गों में सरगुजा जोन को स्वर्ण पदक दिलाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। दोनों विजेता टीमों में इचकेला छात्रावास की कुल 20 बालिका खिलाड़ियों की भागीदारी रही। इस उपलब्धि ने साबित किया है कि ग्रामीण और जनजातीय अंचलों की बेटियां भी उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने पर खेल के क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर की बेटियों की इस शानदार उपलब्धि से जिले में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। कलेक्टर सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अंडर-17 में लगातार दूसरे वर्ष स्वर्ण पदक जीतकर कायम किया दबदबा

सारंगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने



शानदार प्रदर्शन किया। सरगुजा जोन की टीम ने रायपुर, दुर्ग और बस्तर जोन को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में बिलासपुर जोन को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।इस विजेता टीम में इचकेला छात्रावास की 10 प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल रहीं। टीम की कप्तान कुमारी गायत्री बाई के नेतृत्व में एंजेल लकड़ा, आस्था रानी, आकृति यादव, अमीषा लकड़ा, साक्षी यादव, सुप्रिया मिंज, अनन्या सिदार, अलका रानी कुजूर और आराधना ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष बात यह है कि सरगुजा जोन की अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष कांकेर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस वर्ष लगातार दूसरी बार प्रदेश चैंपियन बनकर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, निरंतरता और श्रेष्ठ खेल कौशल का परिचय दिया है।

अंडर-19 में भी बेटियों का शानदार प्रदर्शन, प्रदेश की अन्य जोन टीमों को दी मात

अंडर-19 बालिका क्रिकेट वर्ग में भी सरगुजा जोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। राजनांदगांव में 24 सितंबर 2026 से आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टीम ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर जोन को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस विजेता टीम में इचकेला छात्रावास की 10 खिलाड़ी वर्षा बाई, संतोषी बाई, जिज्ञासा कुजूर, तुलसिका भगत, पूर्वांशी साहू, रितु भगत, अवीना बाई, झूमर तिर्की, आर्यनसी बेक और अंशिका राज आर्यन शामिल रहीं।

इनमें आठ खिलाड़ी लूथरन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इचकेला में अध्ययनरत हैं। आर्यनसी बेक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय इचकेला की छात्रा हैं।

गौरेला में आयोजित हुई 'उर्वरक की पाठशाला', किसानों को दी गई संतुलित उर्वरक उपयोग की जानकारी



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (दैनंदिनी ब्यूरो)। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको), बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में 8 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे गौरेला सहकारी विपणन संस्था मर्यादित, पेंड्रारोड में 'उर्वरक की पाठशाला' के अंतर्गत 'उर्वरक संवर्धन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 75 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरेला सहकारी विपणन संस्था मर्यादित, पेंड्रारोड के अध्यक्ष श्री द्वारिका सोनी, विशिष्ट अतिथियों में समिति प्रबंधक धारा सिंह राठौर, बिल्हा सहकारी विपणन संस्था मर्यादित, सरगांव के समिति प्रबंधक महावीर कौशिक तथा राजू सेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के परिचय एवं पुष्प स्वागत के साथ हुई।

संतुलित उर्वरक उपयोग से सुधरेगी मिट्टी की गुणवत्ता

कार्यक्रम का संचालन करते हुए कृभको, बिलासपुर के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रतिनिधि राकेश मिस्त्री ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि फसलों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सही मात्रा, सही समय और सही अनुपात में पोषक तत्व उपलब्ध कराने से मिट्टी का स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने मृदा परीक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए किसानों को मिट्टी की जांच के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। इस दौरान कृभको के विभिन्न उत्पादों, जिनमें राइजोसुपर, सिवारिका, जैविक खाद, संकर बीज, संशोधित बीज, नीम लेपित यूरिया, कृभको कम्पोस्ट, जिंक, डीएपी एवं एनपीके शामिल हैं, के उपयोग और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जैविक खाद के उपयोग पर दिया जोर

विशिष्ट अतिथि महावीर कौशिक ने अपने उद्बोधन में किसानों से संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खाद एवं कम्पोस्ट का उपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उर्वरता बनाए रखने में सहायता मिलती है। उन्होंने यूरिया, डीएपी, जैविक खाद और कम्पोस्ट के उचित उपयोग के संबंध में भी जानकारी साझा की।

आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम के अंत में समिति प्रबंधक धारा सिंह राठौर ने गौरेला सहकारी विपणन संस्था मर्यादित, पेंड्रारोड की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं किसानों के प्रति संस्था की ओर से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खाद के महत्व, मृदा परीक्षण तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हुए बेहतर कृषि उत्पादन प्राप्त करने के प्रति जागरूक किया गया।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

धमतरी। जिले में खनिज संपदा के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज विभाग के अमले द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाकर बिना वैध अनुमति रेत परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को ग्राम अछोटा, मुड़पार, अमेठी, कलारतराई एवं दोनर में जांच के दौरान 06 ट्रैक्टर एवं 01 हाईवा वाहन जप्त किया गया।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट ने किया वस्त्र वितरण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पितृ पक्ष के पावन अवसर पर महादेव घाट रायपुर हाटकेश्वर मंदिर के पास जरूरतमंद को ट्रस्ट के द्वारा वस्त्र वितरण किया गया। इस कार्य में जिला अध्यक्ष श्रीमती कल्पना शुक्ला ,सुंदर नगर प्रभारी मनोरमा वाजपेई ,डगनिया प्रभारी लक्ष्मी अवस्थी और कार्यकारिणी सदस्य राधा साहू ,अमृता श्रीवास्तव, कोमल शुक्ला उपस्थित रहे काफी संख्या में लोगों की भीड़ रही । ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने इस पवित्र कार्य के लिए सबको साधुवाद दिए।





पोषण माह के अंतर्गत आंगन मिलन का सफल आयोजन



कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण माह के अंतर्गत 8 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत चिखलपुटी के आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक विधानसभा क्षेत्र कोण्डागांव लता उसेंडी, जनपद सदस्य लीलावती नाग, सरपंच राजेश्वरी सोढ़ी एवं उपसरपंच सुरेश राम मांझी की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना, महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाना रहा। इस दौरान आंगनबाड़ी सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में समाज एवं समुदाय के हित में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल स्वास्थ्य, पोषण, बच्चों की देखभाल तथा शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। साथ ही उन्हें भविष्य में भी समर्पण और सेवाभाव के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पीएम जनमन के सड़क निर्माण में गुणवत्ता पर सख्ती कमियां मिलने पर नोटिस जारी करने के निर्देश



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह कमार जनजाति की बसाहटों को बेहतर सड़क संपर्क एवं बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए जिले में सड़क और पुल निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी भीम सिंह ने शुक्रवार को गरियाबंद जिले में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित मापदंडों के पालन और प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कमार जनजाति की बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली तीन सड़कों का अवलोकन किया। इनमें रक्सा से कमारपारा मार्ग की लंबाई 1.57 किलोमीटर, गुंडरदेही मुख्य मार्ग से कमारपारा -बामनदेही मार्ग की लंबाई 1.55 किलोमीटर तथा खैरझिटी से कमारपारा वाया भेंड्री मार्ग की लंबाई 1.95 किलोमीटर है। इन तीनों सड़कों की कुल लंबाई 5.07 किलोमीटर है। सचिव भीम सिंह ने निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री, सड़क की मोटाई, गुणवत्ता और कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान रक्सा से कमारपारा मार्ग के निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुधार की आवश्यकता पाई गई। इसके अलावा सड़क के दोनों किनारों पर बनाए जाने वाले शोल्डर की चौड़ाई भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं मिली। इस पर श्री भीम सिंह ने संबंधित सहायक अभियंता, उप अभियंता एवं ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क की गुणवत्ता और दोनों किनारों की चौड़ाई में तत्काल सुधार करने को कहा। वहीं गुंडरदेही मुख्य मार्ग से कमारपारा -बामनदेही तथा खैरझिटी से कमारपारा वाया भेंड्री मार्ग के निर्माण कार्यों की स्थिति संतोषजनक पाई गई।

सड़क निरीक्षण के दौरान भेंड्री से खैरझिटी मार्ग पर आरडी 1350 मीटर पर निर्माणाधीन 30 मीटर लंबे वृहद पुल का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने पुल की नींव, संरचना और निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। इस पुल के निर्माण से बरसात के दौरान आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही आसपास के ग्रामीणों को वर्षभर सुगम सड़क संपर्क उपलब्ध हो सकेगा। श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को पुल निर्माण में तकनीकी मानकों का पालन करने तथा गुणवत्ता के साथ समयबद्ध कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के अगले चरण में विकासखंड फिंगेश्वर के ग्राम देवरी में प्रज्ञा स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निरीक्षण किया गया। भीम सिंह ने इकाई में प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, प्रसंस्करण और प्रबंधन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर इकाई के संचालन और कार्यप्रणाली के बारे में जाना। उन्होंने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका के अवसर बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को प्रोत्साहित करने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने इकाई के संचालन को व्यवस्थित रखने तथा अभिलेखों का उचित संधारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

पशु तस्करी के आरोप में दो व्यक्ति पुलिस के हत्थे चढ़े

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी सहसपुर लोहारा निरीक्षक मनीष मिश्रा के नेतृत्व में थाना सहसपुर लोहारा पुलिस द्वारा अवैध पशु परिवहन एवं पशुओं के प्रति क्रूरता के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में ग्राम मोहगांव तालाब के पास सड़क पर मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ले जाए जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्रार्थी गोपीनाथ साहू, पिता होलेन्द्र कुमार साहू, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम बबई, थाना सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम की रिपोर्ट के अनुसार, दो व्यक्ति 04 नग भैंस एवं 04 नग पड़वा, कुल 08 नग मवेशियों को डंडे से हांकते हुए, बिना चारा-पानी के रात्रि में पैदल मध्यप्रदेश की ओर वध करने की नीयत से ले जा रहे थे। सूचना पर सहसपुर लोहारा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों के कब्जे से सभी 08 नग मवेशियों को बरामद किया गया। बरामद मवेशियों की कुल अनुमानित कीमत 90,000/- रुपये है। पुलिस द्वारा मवेशियों को सुरक्षित गौशाला में रखवाया गया।

02 आरोपी गिरफ्तार

प्रकरण में पुलिस द्वारा दो आरोपियों पीरअली, पिता जाकिर अली, उम्र 34 वर्ष एवं भुनेश्वर कुर्रे, पिता सुंदर कुर्रे, उम्र 35 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम गंडई, थाना गंडई, जिला केसीजी (छत्तीसगढ़), को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6 एवं 10 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई। विधिवत कार्यवाही के पश्चात दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

90,000/- रुपये कीमत के 8 नग मवेशी बरामद

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से 04 नग भैंस एवं 04 नग पड़वा, कुल 08 नग मवेशी, जिनकी अनुमानित कीमत 90,000 रुपये है, बरामद किए गए। मवेशियों को पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गौशाला में सुरक्षित रखवाया गया है।

वर्ष 2026 में पशु तस्करी के विरुद्ध कबीरधाम पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

कबीरधाम पुलिस द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2026 से 09 अक्टूबर 2026 तक पशु तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए कुल 18 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन प्रकरणों में तस्करी में प्रयुक्त 13 वाहनों को जब्त किया गया है तथा 56 आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, तस्करों के चंगुल से कुल 179 मवेशियों को मुक्त कराया गया है।

कबीरधाम पुलिस द्वारा पशुओं की सुरक्षा एवं अवैध पशु परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी रखते हुए प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. लालपुर

सूचना

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित लालपुर के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांकः 24/10/2026 को समिति संस्था की वार्षिक साधारण आम सभा का आयोजन समिति कार्यालय में दोपहर 12:00 आयोजित है। आम सभा की विषय वस्तु समिति कार्यालय एवं बैंक शाखा पेंड्रारोड में चस्पा कर दिया गया है।

आदेशानुसार

समिति प्रबंधक
लालपुर

:- संपादकीय :-

सेहत से खिलवाड़

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अगर धतूरे जैसे प्रतिबंधित बीज, और भ्रामक दावों वाले खाद्य पदार्थ खुलेआम बिक रहे हों, तो उसे सीधे तौर पर आम इनसान की सेहत के साथ खिलवाड़ ही समझा जा सकता है।अमेजन, स्विजी, इंस्टामार्ट, बिग-बास्केट आदि जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की कार्रवाई को एक अति-आवश्यक कदम माना जाएगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अगर धतूरे जैसे प्रतिबंधित बीज, और भ्रामक दावों वाले खाद्य पदार्थ खुलेआम बिक रहे हों, तो उसे सीधे तौर पर आम इनसान की सेहत के साथ खिलवाड़ ही समझा जा सकता है। डिलिवरी ऐप्स की संचालक कंपनियों को कोई समाज ऐसा आम जोखिम पैदा करने की इजाजत नहीं दे सकता। दरअसल, ये पूरा प्रकरण क्विक-कॉमर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों की गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी खामियों को उजागर करता है। या यह भी कहा जा सकता है कि यह नियम-कानूनों के प्रति इन कंपनियों की लापरवाही की ठोस मिसाल है।ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनियां अक्सर तर्क देती हैं कि वे सिर्फ 'इंटरमीडिएटरीइ यानी विक्रेता एवं ग्राहक के बीच खरीद-बिक्री का माध्यम हैं। लेकिन, गौरतलब है कि ये कंपनियां धुआंधार विज्ञापनों से अपना ब्रांड मूल्य बनाती हैं, जिसका आधार खरीदारों का भरोसा है। इसलिए किसी ऐप पर हानिकारक पदार्थ बिकें, तो उसकी जवाबदेही प्लेटफॉर्म संचालक कंपनी की भी बनती है। अतः यह अनिवार्य हो गया है कि किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले उत्पादों की गुणवत्ता, उस पर लिखे दावों और अपनाए गए सुरक्षा मानकों के बारे में ऐप संचालक कंपनियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। भ्रामक मार्केटिंग के जरिए कथित स्वास्थ्यवर्धक पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री का चलन हाल में काफी बढ़ा है। उपभोक्ताओं में सेहत के प्रति नई आई संवेदनशीलता का गलत फायदा अनेक कंपनियां उठा रही हैं। इसीलिए इसे रोकना अनिवार्य हो गया है।एफएसएसएआई ने अपने ताजा कदम से यह स्पष्ट कर दिया है कि भ्रामक दावों के जरिए हानिकारक पदार्थों की मार्केटिंग दंडनीय अपराध है। बहरहाल, यह कार्रवाई महज एक शुरूआत है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के तेज गति से हुए प्रसार के मद्देनजर महज बिक्री रोकना या प्रतीकात्मक जुमार्ना लगाना पर्याप्त नहीं होगा। बल्कि इसके लिए सख्त कानूनी प्रावधान लागू किए जाने चाहिए, ताकि ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता सुरक्षा से कोई समझौता न हो। फिलहाल, एफएफएसएआई ने ऐसी शुरूआत की है, जिसे आगे ले जाने का दायित्व सरकार और संसद पर है।

भारत को वैश्विक पूंजी युद्ध के लिए तैयार रहना होगा

ललित गर्ग ।

अगर ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अमेरिका को दूसरे देशों से अपनी जरूरत के मुताबिक पूंजी नहीं मिलती है तो वह डॉलर की आपूर्ति बढ़ा सकता है। इससे बाजार में अधिक पैसा आने के कारण महंगाई बढ़ सकती है और वास्तविक यानी महंगाई-समायोजित अर्थों में उसके कर्ज का बोझ कम हो सकता है। भारत दशकों से ऐसा करता रहा है। वास्तव में, पश्चिमी देशों का कर्ज बढ़ने के साथ पिछले पांच वर्षों में अमेरिका में महंगाई पिछले दशक की तुलना में दोगुने से अधिक, यूरोप में तीन गुना और जापान में पांच गुना अधिक रही है। इसे कर्ज के बोझ को नियंत्रित करने के लिए छेड़े गए महंगाई युद्ध के रूप में देखा जा सकता है।एक और संभावना है—हालांकि अभी यह दूर की बात लगती है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं है—कि अमेरिका व्यापार की तरह पूंजी के मामले में भी दबाव की नीति अपना सकता है। ट्रंप पहले ही कुछ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में निवेश प्रतिबद्धताओं को शामिल कर चुके हैं। आज वह पूंजी के प्रवाह को अमेरिका में आने के लिए मजबूर कर रहे हैं, कल पूंजी के बाहर जाने पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।इस आशंका को देखते हुए कुछ देशों ने रक्षात्मक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नीदरलैंड ने पिछले कुछ महीनों में न्यूयॉर्क से 78 टन सोना लंदन स्थानांतरित किया है।



वैश्वीकरण से पीछे हटती दुनिया में सीमाओं के पार लोगों की आवाजाही पर पहले ही कई तरह के प्रतिबंध बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर वापसी और नीतिगत दबाव के औजार के रूप में शुल्क (टैरिफ) के इस्तेमाल के बाद वैश्विक स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को भी झटका लगना तय है। इसके बाद अगला कदम अमीर देशों की ओर से पूंजी की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही पर प्रतिबंधों के रूप में सामने आ सकता है। विकासशील देशों में पूंजी नियंत्रण लंबे समय से सामान्य बात रही है।इस तरह के बड़े बदलाव की प्राथमिक वजह अमेरिका में दिखाई दे रही है, जहां कंपनियों की बढ़ती कर्ज जरूरत और अमेरिका के बजट घाटे के बीच टकराव बढ़ रहा है। तकनीक और कृत्रिम मेधा (एआई) की दौड़ में आगे चल रही बड़ी कंपनियां कुछ समय पहले तक अपने पूंजीगत खर्च की जरूरतें अपनी कमाई से पूरी कर रही थीं। अब ऐसा नहीं है। निवेश योजनाओं में भारी विस्तार के कारण ये कंपनियां बाजार से बड़ी मात्रा में कर्ज उठा रही हैं। अमेरिका में कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किए जाने की मात्रा दो वर्षों में 80 प्रतिशत बढ़ गई है। दूसरी ओर, संघीय बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7 प्रतिशत तक पहुंच गया है और इसके जल्द नियंत्रित होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे।

अमेरिका की घरेलू बचत इन बढ़ती पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका दशकों से दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज लेने वाला देश बना हुआ है। लेकिन विदेशों से पूंजी की उसकी बढ़ती जरूरत ऐसे समय में सामने आ रही है, जब लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी प्रतिभूतियों से दूरी बना रही हैं।चीन ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी प्रतिभूतियों में अपनी हिस्सेदारी आधी कर दी है, जबकि अब अमेरिकी प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक जापान भी इससे दूरी बनाना शुरू कर चुका है। बाजार में कारोबार योग्य अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2015 में 50 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 30 प्रतिशत रह गई है। केंद्रीय बैंक जहां अपने डॉलर भंडार में कटौती कर रहे हैं, वहीं उन्होंने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाई है। पिछले साल सोने ने अमेरिकी सरकारी बॉन्ड को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बैंकों की रिजर्व परिसंपत्तियों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली। एक साल में सोने की कीमत 25 प्रतिशत बढ़ चुकी है और भारतीय अब भी सोने के बड़े खरीदारों में शामिल हैं।अमेरिकी डॉलर में बढ़ते कर्ज और इस कर्ज को लेकर घटती वैश्विक मांग के बीच इसका स्वाभाविक असर ब्याज दरों पर पड़ा है। अमेरिकी ट्रेजरी की ब्याज दरें अब दो दशकों के उच्चतम स्तर पर हैं और लगातार बढ़ रही हैं। इसके बावजूद नए अमेरिकी कर्ज की नीलामी में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की हिस्सेदारी पहले के मुकाबले कम हो गई है। पांच साल की ट्रेजरी प्रतिभूतियों पर ब्याज दर महज एक महीने में 0.64 प्रतिशत बढ़ गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट पिछले कुछ सप्ताह से बाजार को शांत करने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनका कोई खास असर नहीं हुआ है।इसी बीच यूरोप के विशेषज्ञों ने यूरोपीय पूंजी के अमेरिका जाने को हतोत्साहित करने की वकालत की है, क्योंकि यूरोप को अपने भीतर निवेश करने की जरूरत है। यूरोप की ओर से ऐसा कोई भी कदम उठाए जाने पर वाशिंगटन की ओर से जवाबी कार्रवाई की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। इस बदलते माहौल को रेखांकित करता है।इन घटनाक्रमों से भारत को गंभीर चिंता होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से पोर्टफोलियो पूंजी भारत से बाहर जा रही है और रुपये के मूल्य में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप के बावजूद हुई है। इस बीच बढ़ती ऊर्जा कीमतों ने व्यापार संतुलन पर भी दबाव डाला है। प्रमुख शेयर बाजार सूचकांक भी उस स्तर पर लौट आए हैं, जहां वे करीब ढाई साल पहले थे। पिछली बार शेयर बाजार ने इतने लंबे समय तक निवेशकों को निराश 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद किया था।इन परिस्थितियों में आरबीआई की सबसे बड़ी पहल अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) को आकर्षक ब्याज दर और मुद्रा सुरक्षा के साथ जमा योजना की पेशकश करना रही। हालांकि, संभव है कि केंद्रीय बैंक ने इस मामले में कुछ ज्यादा ही उदार रुख अपनाया हो। योजना से अनुमान से दोगुनी राशि—130 अरब डॉलर से अधिक—जमा हुई। एनआरआई जाहिर तौर पर ऐसे मुफ्त के फायदे को पहचानना जानते हैं। इस योजना की आरबीआई पर लागत मुद्रा विनिमय दर में होने वाले बदलाव पर निर्भर करेगी और पूरी योजना की अवधि में यह 10 से 20 अरब डॉलर के बीच हो सकती है।इस योजना के आलोचकों ने मुख्य रूप से दो तर्क दिए हैं। पहला, भारत की विदेशी मुद्रा भंडार स्थिति आरामदायक है, जबकि अतीत में एनआरआई को आकर्षक जमा योजनाओं की पेशकश तब की गई थी जब विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आएगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आपकी सेहत ठीक रहेगी। आज आपका अपने प्रियजनों के साथ बहुत ही बेहतरीन समय बीतेगा। घरेलू कामों में रुचि बनी रहेगी तथा रिलैक्स महसूस करने के लिए मनोरंजन संबंधी योजनाएं भी बन सकती हैं।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज व्यवस्थित दिनचर्या तथा खान-पान सही रखने से आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा तथा आप स्वयं को स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आप अपने दम पर हर काम को करने की क्षमता रखेंगे। व्यावसायिक उथल-पुथल तथा आर्थिक स्थिति की वजह से परिवार के सदस्यों के खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है।

मिथुन राशिः आज किसी खास काम में आपको फायदा मिलेगा। माता-पिता के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे, आपके कामों में आपकी मदद भी करेंगे। आज आपको घर के किसी वरिष्ठ सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर उलझन बनी रहेगी। ऑफिस में आपको कुछ नए कामों की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको आप सफलतापूर्वक पूरा भी कर लेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन नई उमंग के साथ शुरू होगा। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज मीडिया तथा कम्युनिकेशन से संबंधित व्यवसाय में उपलब्धियों के योग बन रहे हैं। इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। आज कुछ समय घर के बुजुर्गों और वरिष्ठ सदस्यों के साथ भी जरूर बिताएंगे... उनके अनुभवों को आत्मसात करना आपको जीवन के कुछ सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराएगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा। कई तरह के विचारों का आदान-प्रदान रहेगा। आज आप जरूरत से ज्यादा किसी भी व्यक्ति के ऊपर विश्वास करने से बचें और खुद पर यकीन करें।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको घर से संबंधित किसी समस्या का समाधान मिलने वाला है। बेहतर होगा कि आप वरिष्ठ सदस्य की सलाह और मार्गदर्शन पर ध्यान दें। बच्चों की शिक्षा और करियर से रिलेटेड भी कोई काम हो सकता है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको खर्चों पर ध्यान देने की जरूरत होगी। लेकिन आप धैर्य और संयम बनाए रखें, जल्द ही सब ठीक होगा। फालतू बातों में ध्यान न दें और अपने काम में ही व्यस्त रहें। आज दोपहर बाद परिस्थितियां सकारात्मक रहेंगी। आज आप व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने जैसे कार्यों में भी रुचि लेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज काफी हद तक आप खुद को पॉजिटिव महसूस करेंगे। आज आप ध्यान रखेंगे कि आपकी बात से किसी को आघात न पहुंचे।आज व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय पर अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे, परंतु कर्मचारियों का सहयोग आपको उलझन मुक्त रखेगा। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, किसी मंदिर में अपना थोड़ा समय बिताएंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज मौजूदा बिजनेस में नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। अपने कार्यक्षेत्र में जो बदलाव किए हैं, उसके भी भविष्य में बेहतर परिणाम हासिल होंगे। कोई ऑफिशियल यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज ऑफिस के काम में आप थोड़े बिजी होंगे तथा आपको थोड़ी थकान महसूस होगी, अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। आज अनुभवी व्यक्ति की सलाह और मदद आपके व्यवसाय को नई दिशा देगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस समय अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ज्यादा ध्यान दें। पिछले कुछ समय से चल रही उलझनों से राहत मिलेगी। आज अचानक ही आपको कहीं से सहयोग और उचित सलाह भी हासिल होगी। इस राशि के विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे व्यक्तियों को शुभ सूचना मिल सकती है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, इससे आपके कार्य सफल होंगे। नजदीकी रिश्तों से चल रहे मन-मुटाव दूर होने से रिश्तों में मधुरता आएगी। साथ ही परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा। व्यवसाय में बहुत ही संजीदगी तथा गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इस समय विस्तार संबंधी योजनाओं पर पुनर्विचार अवश्य करें।

सू- दोकू क्र.184

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.183 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ।

भरोसे पर भी खरे उतरे सेलिब्रिटिज

विवादित विज्ञापनों का दौर लंबे समय से चला आता रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अपने उत्पाद को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज, महिलाओं और बच्चों को केन्द्र में रखा जाता है। दरअसल लक्ष्यित वर्ग को सम्मोहित करना इन विज्ञापनों का खास उद्देश्य हो जाता है।विज्ञापनों के प्रति सेलिब्रिटिज की जवाबदेही को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की हालिया टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अपने उत्पादों को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज का उपयोग सबसे अधिक किया जाता रहा है। विज्ञापनदाता जानते हैं कि लक्षित उपभोक्ता तक पहुंचने में सेलिब्रिटिज की भागीदारी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। लोग सेलिब्रिटिज पर विष्वास करते हैं और विज्ञापनदाता कंपनियां इसी का लाभ अपने उत्पादों को बाजार दिलाने में करते आये हैं। इसीलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की टिप्पणी कि सच्चा सितारा रोशनी फैलाता है, अंधेरापन नहीं, आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण होने के साथ ही सितारों और सेलिब्रिटिज को समाज के प्रति जवाबदेही समझने का संकेत भी है। दर असल हो रहा है कि पैसे की चकाचोंध में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति जवाबदेही से मुहं मोड़ते दिखाई देते हैं। जब आम जन का सेलेब्रिटिज का भरोसा है तो सेलिब्रिटिज की भी इस भरोसे



को बनाए रखने की नैतिक जिम्मेदारी हो जाती है। दरअसल सेलिब्रिटिज को उत्पाद के साथ देखकर आमआदमी आंख मींच कर भरोसे के सहारे खरीदारी करता है। वह उस उत्पाद और सेलिब्रिटिज द्वारा किये जा रहे वादे को सत्य समझता है। ऐसे में सेलिब्रिटी का समाज या लक्षित वर्ग के प्रति और अधिक जिम्मेदारी बन जाती है। विकेता या निमार्ता अपने उत्पाद को बेचने पर ध्यान देता है। इसलिए वह अपने उत्पाद के गुणगान अधिक ही करने लगता है तो सेलिब्रिटी के विज्ञापन के सहारे अतिशयोक्तिपूर्ण दावें करने लग जाते हैं। यहां तक कि कई विज्ञापन के दावें तो सत्य के आसपास भी नहीं होते जैसा कि अक्षय कुमार का डॉबर च्यवनप्राश को लेकर विज्ञापन। यह तो एक उदाहरण मात्र है। आज तो सेरोगेट विज्ञापनों का दौर भी चल निकला है। शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्राप का इलायची का विज्ञापन सबके सामने है जिसके माध्यम से छद्म रुप से प्रतिबंधित पान मसाला का विज्ञापन किया जा रहा था। इसी तरह के अनेक विज्ञापन हमारे सामने हैं। हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि निमार्ता अपने उत्पाद का विज्ञापन करने के लिए सेलिब्रिटिज को बहुत अधिक पेमेंट किया जाता है और इस पेमेंट के चक्कर में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति अपने दायित्व और कानूनी प्रावधानों को भी दरकिनार कर देते हैं। यही कारण है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दुखती रग पर हाथ रखते हुए 72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में पिछले माह सितंबर में आयोजित समारोह में आमआदमी का दर्द सामने रखा। प्रचारकरेंविवादित विज्ञापनों का दौर लंबे समय से चला आता रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अपने उत्पाद को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज, महिलाओं और बच्चों को केन्द्र में रखा जाता है। दरअसल लक्ष्यित वर्ग को सम्मोहित करना इन विज्ञापनों का खास उद्देश्य हो जाता है। विज्ञापन करते समय कई बार तो सांप्रदायिकता तक सामने आ जाती है। 2020 का तनिष्क का विज्ञापन इसका उदाहरण है तो 2026 का कृति सेनन का गीवा ज्वेलरी का विज्ञापन सामने हैं। विमल इलायची का फिल्म कलाकार त्रय का विज्ञापन सर्वविदित है जिसमें इलायची के नाम पर छद्म रुप से पान मसाला तंबाकू का ही विज्ञापन था। इस तरह के सेरेगेट विज्ञापन आम होते जा रहे हैं। लेविस 501 जिंस का अक्षय कुमार का विज्ञापन, 2021 का आलिया भट्ट का कन्यादान के बहाने कन्यामान विज्ञापन यह फिर 1995 में अजगर से जिस्म को लपेटे मिलिंद सोयन और मधु सप्रे का टफ जूते का विज्ञापन का विवाद आज तक चर्चा में है। 2026 का विक्की कौशल-रश्मिका संधाना का माचो अंडरवियर का विज्ञापन भी विवादों में रहा है। विज्ञापनों को लेकर सरकार भी गंभीर रही है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 द्वारा जवाबदेही तय की गई है। 10 लाख से 50 लाख तक के जुमार्ने के प्रावधान के साथ ही ऐसे विज्ञापनकताओं पर एक साल से तीन साल तक प्रतिबंध के प्रावधान भी है। भ्रामक विज्ञापनों को लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय भी गंभीर रहा है और समय समय पर टिप्पणियां की गई है।

इस दायरें में चार लाख से अधिक कमाई वाले व 5 लाख फालोवर्स वाले सेलिब्रिटिज को रखा गया है। हालात की गंभीरता को इसी से समझना होगा कि फिल्म कलाकारों के समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को इस तरह का संदेश देना पड़ा।

विचार | विष्णु प्रसाद वर्मा

शिक्षा से समृद्धिः छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के नए क्षितिज और बदलती तस्वीर



छत्तीसगढ़ की पावन धरा आज न केवल अपने प्राकृतिक संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जानी जा रही है, बल्कि यह राज्य शिक्षा के क्षेत्र में भी एक नई अभूतपूर्व क्रांति का साक्षी बन रहा है। राज्य में उच्च शिक्षा अब केवल पारंपरिक ज्ञान अर्जन का माध्यम मात्र नहीं रह गई है, बल्कि यह प्रदेश के लाखों युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का एक सशक्त एवं टिकाऊ आधार बन चुकी है। राज्य सरकार ने 'सेवा का संकल्पइ और 'सेवा आपके द्वारइ के मूलमंत्र को धरातल पर उतारते हुए शिक्षा के मंदिर को हर उस गांव और सुदूर अंचल तक पहुँचाया है, जहाँ कभी उच्च शिक्षा पाना एक कठिन स्वप्न जैसा था। इस दूरदर्शी और संवेदनशील सोच का ही सुखद परिणाम है कि आज पूरे प्रदेश का उच्च शिक्षा परिदृश्य एक नई चेतना और 'सेवा कहानी की' का नया स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है।वर्षों से चले आ रहे क्षेत्रीय असंतुलन को समाप्त करने के लिए सरकार ने विशेष प्राथमिकता के साथ वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना की है। केवल नए कॉलेज खोलना ही ध्येय नहीं रहा, बल्कि पहले से संचालित संस्थानों में नए संकायों, नवीन विषयों और अध्ययन सीटों का निरंतर विस्तार किया जा रहा है ताकि किसी भी मेधावी छात्र को अवसरों की कमी न महसूस हो। इसके साथ ही, उच्च शिक्षण संस्थानों के बुनियादी ढाँचे को एक नया और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। पुराने जीर्ण-शीर्ण भवनों का कायाकल्प करने के साथ-साथ आधुनिक वास्तुकला से युक्त नए परिसरों का निर्माण किया जा रहा है।

नहीं कचोरी, नहीं समोसा, रेवड़ी पर अपना भरोसा

तेरी रेवड़ी नकली है। हम जो देते हैं, असली है। एक तरफ से नारा आया। दूसरी तरफ का नारा भी तैयार था, ह्यहमारी रेवड़ी गुड तो तेरी वाली बैड है। हमारी रेवड़ी हैप्पी, तो तेरी बिल्कुल सेड है।नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी थी। मुद्दा, लोकतांत्रिक खेत की रखवाली था। सारे नेता खेत में लहलहा रही सत्ता की फसल काटने के लिए उतावले थे। राजनीति में उतावलेपन को संघर्ष कहते हैं। संघर्ष में आवाज क्योंकि ऊंची होती है, इसलिए इन नेताओं की आवाज लोगों के कान फाड़ रही थी। जिनके कान इसके बावजूद तंदुरुस्त थे, उन्हें फाड़ने के लिए डीजे का इंतजाम किया गया था।खेत के एक तरफ खड़े नेता चिल्लाए, सामने खड़े नेता ने लोकतंत्र की हत्या कर दी है। जरूरत लोकतंत्र को फिर से जीवित करने की है। हम ऐसे तांत्रिक हैं, जो मरे हुए तंत्र को फिर से जीवित कर देते हैं। खेत का पट्टा हमें सौंपिए, हम इसमें असली लोकतांत्रिक सत्ता की फसल उगाएंगे।नेताओं ने जुबानी ईंट फेंकी तो उसका जवाब सामने वाले नेताओं ने पत्थर से दिया, ह्ययें जो नेता डीजे पर चीख रहे हैं, वो लोकतंत्र के असली कातिल हैं। ये रोज लोकतंत्र को मारते हैं। इनके हाथ उसके खून से रंगे हुए हैं। इन्होंने लोकतंत्र को कहीं का नहीं छोड़ा। दर-ब-दर कर दिया है। इन्हें कब्जा मिला तो ये लोकतंत्र के खेत को खाता बना देंगे।हम लोकतंत्र के खेत में जाकर पहले प्रदर्शन करेंगे, फिर धरना देंगे। खेत में तब तक बैठेंगे, जब तक उसका पट्टा हमारे नाम नहीं लिख जाता।

इस पक्ष की बात पर दूसरा पक्ष दहाड़ा, ह्यलोकतंत्र के खेत में किसी का पट्टा नहीं लिखा जाता। और न ही इसे कोई झपट्टा मारकर छीन सकता। हम इस पर करेंगे कब्जा, क्योंकि हमारे दिल में सेवा का जज्बा है।हमारे पास लोकतंत्र की खेती करने के लिए जनता-ट्रैक्टर है। कार्यकर्ता-हार्वेस्टर है। वोटर-मजदूर हैं। खाने के लिए कचौरी है, समोसा है। तुम्हारे पास क्या है?हमारे पास रेवड़ी है। जिसके पास रेवड़ी, पहने वही लोकतंत्र में पगड़ी। नहीं कचौरी, नहीं समोसा, रेवड़ी पर अपना भरोसा।तेरी रेवड़ी नकली है। हम जो देते हैं, असली है। एक तरफ से नारा आया। दूसरी तरफ का नारा भी तैयार था, हमारी रेवड़ी गुड तो तेरी वाली बैड है। हमारी रेवड़ी हैप्पी, तो तेरी बिल्कुल सेड है।

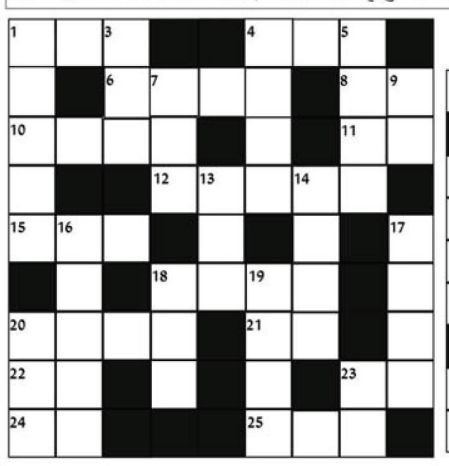
अब रेवड़ी के आगे समोसा और कचौरी कहां ठहरेंगे?

शब्द सामर्थ्य -184

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 183 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	दटू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

वन्यप्राणी सप्ताह एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर में लाइव स्टोन पेंटिंग एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

चिल्फी पीड़ाघाट में स्वच्छता अभियान के साथ वन्यप्राणी सप्ताह का समापन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वन्यप्राणी सप्ताह 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल के नेतृत्व एवं भोरमदेव अभयारण्य अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू के मार्गदर्शन में सरस्वती शिशु मंदिर, कवर्धा में विद्यार्थियों के लिए लाइव स्टोन पेंटिंग एवं चित्रकला सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चितेरे फाउंडेशन के सहयोग से कलाकार श्री बलबीर विश्वकर्मा, श्री प्रभात विश्वकर्मा एवं श्री मन्नू मरावी द्वारा विद्यार्थियों को पत्थरों पर वन्यजीव एवं प्रकृति आधारित चित्रांकन की तकनीक सिखाई गई।



इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही स्टोन पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने वन्यजीव एवं प्रकृति संरक्षण की भावना को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।



आयोजन का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति, वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। वन विभाग एवं चितेरे फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग की श्रीमती मीना धुर्वे, श्रीमती अहिल्या ठाकुर, श्री फलित यादव एवं श्री लालचंद साहू द्वारा किया गया।

चिल्फी पीड़ाघाट में स्वच्छता अभियान के साथ वन्यप्राणी सप्ताह का समापन

वन्यप्राणी सप्ताह 2026 के समापन अवसर पर चिल्फी स्थित पीड़ाघाट में वन विभाग द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान पीड़ाघाट क्षेत्र में साफ-सफाई कर पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य प्राकृतिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

उक्त स्वच्छता कार्यक्रम में परिक्षेत्र अधिकारी, चिल्फी एवं उनके अधीनस्थ वन अमले की उपस्थिति रही। वन अमले ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए प्राकृतिक परिवेश को स्वच्छ बनाए रखने तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस प्रकार वन्यप्राणी सप्ताह का समापन स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया गया।

वन विभाग द्वारा वन्यप्राणी सप्ताह एवं सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रतिदिन चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद लोरमी द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत "स्वच्छता ही सेवा" घटक के तहत प्रतिदिन दिन नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसी प्रकार नगर के फौव्वारा चौक से लेकर राजाबाड़ा बजारपारा तक स्वच्छता अभियान चलाया गया इस दौरान नवदीप गणेशोत्सव समिति बजारपारा, ब्राह्मण युवा मंडल गणेशोत्सव समिति व माँ शीतला पारा गणेशोत्सव के सदस्यों ने अपना श्रमदान दिया। इसी प्रकार शुभ पेट्रोल पंप से श्रीराम गार्डन तक स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। अभियान में पेंशनर संघ, मनियारी क्रिकेट क्लब, राजपूत युवा ग्रुप मंझगांव तथा मां महामाया गणेश उत्सव समिति रानीगांव की प्रमुख सहभागिता रही।

नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा के नेतृत्व में नगर पालिका की पूरी टीम ने अभियान में भाग लेकर स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता एवं सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष सुजीत वर्मा द्वारा नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों से स्वच्छता अभियान में निरंतर सहभागिता की अपील की गई। साथ ही नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने, कचरे का उचित निपटान करने तथा स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत में शामिल करने का आग्रह किया गया।

एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर निकली बाइक रैली

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। एचआईवी/एड्स के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा समाज में फैली भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान के अंतर्गत बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री तुर्रे सहित कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की।



बाइक रैली के माध्यम से आम नागरिकों को एचआईवीध्एड्स से बचाव, सही जानकारी, समय पर जांच तथा जागरूकता के महत्व का संदेश दिया गया। रैली का उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक लोगों तक एचआईवी/एड्स से संबंधित आवश्यक जानकारी पहुंचाना और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से अपील की कि एचआईवीध्एड्स के संबंध में किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। इससे संबंधित सही एवं प्रमाणिक जानकारी के लिए स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें। साथ ही एचआईवी से संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने का संदेश दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान के माध्यम से विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा समय पर जांच और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि सही जानकारी अपनाएं, एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक बनें और संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करते हुए भेदभाव-मुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

भांसी ITI में नवाचार की अलख, 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के लिए युवाओं को किया प्रेरित

वास्तविक समस्याओं के समाधान खोजेंगे प्रशिक्षार्थी, तकनीकी कौशल और रचनात्मक सोच को मिलेगा बढ़ावा

दंतेवाड़ा/भांसी (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, दंतेवाड़ा के तत्वावधान में 7 अक्टूबर 2026, बुधवार को एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), भांसी में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को नवाचार, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान और उद्यमिता के महत्व की जानकारी देते हुए अपने तकनीकी कौशल का उपयोग समाज एवं उद्योगों की समस्याओं को दूर करने के लिए करने के लिए प्रेरित किया गया।

वास्तविक समस्याओं के समाधान पर जोर

कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, दंतेवाड़ा के महाप्रबंधक रविशंकर नेताम और प्रबंधक डी. आर. कुर्रे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षार्थियों को



चैलेंज के उद्देश्य, आवेदन प्रक्रिया और भागीदारी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत समाज, शासकीय सेवाओं और उद्योगों से जुड़ी वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके लिए नए, उपयोगी, किफायती और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

केवल नया विचार नहीं, उपयोगी समाधान जरूरी

प्रशिक्षार्थियों को समझाया गया कि किसी नवाचार की सफलता केवल नए विचार तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका वास्तविक समस्या का समाधान करना और धरातल पर लागू हो पाना भी जरूरी है। इसके लिए समस्या की स्पष्ट पहचान, प्रभावित लोगों का विवरण, उपलब्ध आंकड़े और प्रमाण तथा मौजूदा व्यवस्था की कमियों को सामने रखना आवश्यक है।

इसके साथ ही समाधान से होने वाले लाभ, समय एवं लागत में संभावित बचत, रोजगार के अवसरों और समाज, सुरक्षा, समावेशन तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का आकलन करने की जानकारी दी गई। सफल नवाचार को दूसरे जिलों और राज्यों में लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार करने के लिए प्रेरित किया गया।

नवाचार को मिल सकती है तकनीकी और वित्तीय मदद

'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के माध्यम से चयनित या पात्र प्रतिभागियों को आवश्यकता के अनुसार मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता, शासकीय विभागों के साथ प्रायोगिक परियोजनाओं पर काम करने, वित्तीय सहायता अथवा अनुदान, नवाचार केंद्र, परीक्षण, प्रमाणन और बौद्धिक संपदा संबंधी सहायता के अवसर मिल सकते हैं।

महाप्रबंधक रविशंकर नेताम ने कहा कि ITI में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा अपनी तकनीकी शिक्षा और कौशल का उपयोग रोजगार पाने के साथ-साथ समाज एवं उद्योगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने में भी कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और नए विचारों के साथ इस पहल में भाग लेने का आह्वान किया।

17 अक्टूबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

इस चैलेंज में भाग लेने के इच्छुक एवं योग्य प्रशिक्षार्थी 17 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://sevainnovationchallenge.in/ पर जाकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

किसानों की मांगें शासन तक पहुंचेंगी, सड़क किनारे ट्रैक्टर खड़े करें, आमजन को राहत दें : कलेक्टर

-विकाश शुक्ला



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। बलराम किसान न्याय यात्रा ट्रैक्टर महारैली के चलते शहर में यातायात प्रभावित होने के बीच कलेक्टर श्रीमती तूलिका प्रजापति ने किसानों से आम जनता की परेशानी का ध्यान रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान स्कूली बच्चों, एंबुलेंस और आम नागरिकों की आवाजाही बाधित नहीं होनी चाहिए। किसान अपने ट्रैक्टर सड़क के एक किनारे खड़े कर अपनी मांगें रखें। उनकी मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

भारतीय किसान संघ की ओर से आयोजित ट्रैक्टर महारैली में किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। रैली में ट्रैक्टरों की मौजूदगी और प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रभावित होने से शहर में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जरूरी काम से निकले नागरिकों और वाहन चालकों के लिए रास्तों से गुजरना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

स्कूली बच्चों और मरीजों की आवाजाही प्राथमिकता

कलेक्टर ने विशेष रूप से स्कूली बच्चों और एंबुलेंस के लिए रास्ता खुला रखने पर जोर दिया है। सड़क पर यातायात बाधित होने से बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कत हो सकती है, वहीं आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी गंभीर समस्या बन सकती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे ट्रैक्टर सड़क के एक किनारे खड़े करें, ताकि आम लोगों की आवाजाही जारी रह सके।

किसानों की मांगें शासन तक पहुंचाने का भरोसा

भारतीय किसान संघ गन्ने पर 150 रुपए प्रति क्विंटल बोनस और उद्यानिकी फसलों को कृषक उन्नति योजना के तहत 15 हजार रुपए प्रति एकड़ वार्षिक लाभ देने सहित विभिन्न मांगें उठा रहा है। किसान इन मांगों पर शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए महारैली निकाल रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने भरोसा दिलाया है कि किसानों की मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा। हालांकि, मांगों पर अंतिम निर्णय शासन को लेना है। ऐसे में प्रशासन की अपील को आंदोलन और जनसुविधाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

आंदोलन के साथ जनहित का ध्यान जरूरी

किसानों को अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक मार्गों पर आम नागरिकों की आवाजाही बनाए रखना भी जरूरी है। कलेक्टर की अपील के बाद अब निगाह इस बात पर है कि किसान सड़क किनारे ट्रैक्टर खड़े करने और रास्ता खुला रखने की व्यवस्था अपनाते हैं या नहीं। इससे आंदोलन के दौरान आम लोगों की परेशानी कम करने और यातायात सुचारू रखने में मदद मिल सकती है।

काला दिवस के रूप में चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल धरना प्रदर्शन



पंडरिया कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पंडरिया द्वारा भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिवस मनाते हुए चुनाव आयोग के खिलाफ हल्ला बोल धरना प्रदर्शन का आयोजन गांधी चौक पंडरिया में सफलतापूर्वक किया गया।

ज्ञात हो कि विगत दिनों दिल्ली में लोकतंत्र बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी , श्रीमती प्रियंका गांधी एवं INDIA गठबंधन के सांसदों द्वारा निर्वाचन आयोग से जवाबदेही मांगने पर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया था। जिसके विरोध में AICC ने 8 अक्टूबर को पूरे देश में काला दिवस घोषित किया था।

इसी तारतम्य में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पंडरिया के अध्यक्ष घनश्याम साहू के नेतृत्व में आज शाम 4 बजे गांधी चौक में सैकड़ों कांग्रेसजनों ने एकत्रित होकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतंत्र व संविधान बचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम साहू ने कहा कि "यह लड़ाई किसी व्यक्ति की नहीं, देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है, जिसे कांग्रेस कार्यकर्ता कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।"

धरना प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठजन पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राधेलाल भास्कर , पारस बंगानी , निर्मल सलूजा ,गौतम शर्मा , जुगल किशोर पांडे, अनपूर्णा चंद्राकर , आनंद सिंह ठाकुर, शिवकुमार तिवारी , चंद्रभान कोशले ,सारदा सोनवानी, शालिनी लहरे और पूरा टीम, संतोष चंद्रवंशी, अतुल बरगाह, नंदराम चंद्रवंशी, खोवाराम भास्कर,संजू तिवारी राजकुमार अनंत, लक्ष्मीनारायण साहू, शैलेन्द्र गुप्ता, राकेश चंद्राकर, सतीश कोठारी, रामकुमार साहू, रवि चंद्राकर, राजेंद्र यादव, मण्डल अध्यक्ष गण गुरुदत्त शर्मा , शुभाष पूरी गोस्वामी , सुरेश चंद्राकर और आर्या चंद्राकर, शेखर साहू तुकेस्वर साहू, हकीम कुरैशी, दिलीप धुरी, मोहित साहू संजय चंद्राकर, प्रदीप, चंद्राकर, नारायण चंद्राकर, मुकेश साहू,रवि साहू, संजू साहू, लखन मरावी,ललित देवांगन, गिरधारी चंद्राकर, इंद्रपाल डाहिरे, सुखचैन चन्द्रवंशी, नेता प्रतिपक्ष सुनिल ठाकुर, पार्षद और छाया पार्षद गढ़ चंद्रभान टंडन, राजकिरण ठाकुर, लक्षमण राय, विजय मेहता, दिलीप चंद्रवंशी, अखिलेश ठाकुर, श्यामू धुलिया, मुकेश सावरा, विनोद यादव और जीत राम चन्द्रवंशी, राजू यादव, कोमल साहू, वीरेंद्र चंद्राकर, तेजस्वी जायसवाल धनसिंग पात्रे, रामलाल चंद्राकर ,धनीराम साहू गोटी लाल साहू चैतराम साहू, प्रकाश निषाद, गुडानी जायसवाल सभी प्रकोष्ठ, NSUI, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस ने लोरमी व डिंडौरी में मनाया काला दिवस

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लोरमी के अध्यक्ष लल्ला सिंह ठाकुर के नेतृत्व में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर कांग्रेस कार्यालय के सामने वोट चोरी एवं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर काला दिवस मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जनपद उपाध्यक्ष खुशबू आदित्य वैष्णव ने कहा कि देश में चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं और कांग्रेस द्वारा पहले की तरह पेपर बैलेट से चुनाव कराने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि काला दिवस केवल विरोध का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प है। पूर्व जनपद अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संघर्ष करने की अपील की। ब्लॉक अध्यक्ष लल्ला सिंह ठाकुर ने 16 अक्टूबर को प्रस्तावित मोटरसाइकिल रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष नितेश पाठक ने कार्यक्रम का संचालन किया। जनपद सभापति विद्यानंद चंद्राकर ने आगामी कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। सभा को बिंदु यादव ने भी संबोधित किया, जबकि आभार



प्रदर्शन प्रदीप दुबे ने किया। कार्यक्रम में रामावतार ध्रुव, गणेश शुक्ला, परमेश्वर गुप्ता, आदित्य वैष्णव, सलीम खान, पार्षद शशांक वैष्णव, धनंजय दुबे, मुकेश जायसवाल, दीना मुरली कश्यप, रेशम लाल जांगड़े, स्वारथ लाल धृतलहरे, पवन खांडेकर, प्रकाश टोंडे, प्रकाश साहू, सुनील बंजारा, बलिराम यादव, टेकुराम साहू, मनोज शर्मा, संतोष साहू, सहोरन, विष्णु ध्रुव, बबलू मानिकपुरी, राजेश जायसवाल, शिवकुमार कुलमित्र, दुलार सिंह, डेरहा प्रसाद, राम प्रसाद, बालक दास, उमेश जांगड़े सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ब्लाक कांग्रेस कमेटी डिंडोरी द्वारा ब्लाक अध्यक्ष राम स्वरूप श्याम के नेतृत्व में एवं ब्लाक के संगठन प्रभारी अरुण कुलमित्र के उपस्थिति में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एक दिवसीय काला दिवस एवं सीईसी के प्रमुख ज्ञानेश कुमार के विरोध प्रदर्शन किया गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

--:: इश्तिहार सूचना प्रकाशन बाबत् :-

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग वि/यां. संभाग बिलासपुर के अंतर्गत वि/यां. उपसंभाग हाईकोर्ट बिलासपुर में कार्यरत श्री राहुल गुलहरे, विद्युत हेल्पर निवास का पता - चंदन आवास 1/47, राजकिशोर नगर, बिलासपुर (छ.ग.) पिन. 495001 दिनांक 27/12/2022 से बिना कोई सूचना एवं आवेदन के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित है । इस कार्यालय द्वारा बार-बार पत्राचार उपरांत भी कार्य पर उपस्थित नहीं हुए है और न ही कोई लिखित जवाब दिया है ।

समाचार पत्रिका में इश्तिहार के 15 दिवस के भीतर अपने कार्य पर उपस्थित नहीं होता है तो अनुशासनात्मक कार्यवाही (सेवा समाप्ति) हेतु श्री राहुल गुलहरे, विद्युत हेल्पर स्वयं जिम्मेदार होंगें ।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.)
संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 262703863/1

रणजी ट्रॉफी से पहले बवाल, अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट में कलह, क्या रद्द होगा पहला मैच?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की टीम का रणजी ट्रॉफी का पहला मैच संकट में पड़ता दिख रहा है। यह मुकाबला 11 अक्टूबर से शुरू होना है, लेकिन मैच से ठीक पहले राज्य के क्रिकेट एसोसिएशन में अंदरूनी लड़ाई शुरू हो गई है। बोर्ड के अधिकारियों के बीच चल रही खींचतान की वजह से अभी तक टीम का सेलेक्शन भी नहीं हो पाया है। ऐसे में इस बात को लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई है कि टीम इस पहले मैच में मैदान पर उतर पाएगी या नहीं।



न्यूज एजेंसी के मुताबिक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन में अंदरूनी विवाद चल रहा है और इससे जुड़ा एक मामला गुवाहाटी हाई कोर्ट की ईटानगर बेंच में अटका हुआ है। इस आपसी झगड़े की वजह से बोर्ड में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं बचा है जो खिलाड़ियों के चयन पर फैसला ले सके। इसी वजह से रणजी ट्रॉफी के मैच के लिए टीम की तैयारियों और उनके खेलने को लेकर असमंजस बना हुआ है।

इस आपसी झगड़े का असर पहले ही दिख चुका है, जब भुवनेश्वर में सिक्किम के खिलाफ अंडर-19 'वीनू मांकड़ ट्रॉफी' के मैच में अरुणाचल प्रदेश अपनी टीम ही नहीं भेज पाया था। अब यही परेशानी उन बड़े खिलाड़ियों के सामने भी आ गई है, जिन्हें इस साल खेलने के लिए चुना गया है। फिलहाल स्थिति यह है कि खिलाड़ियों को अब तक यही नहीं पता कि उन्हें नागालैंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी का पहला मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाना है या नहीं।

क्रिकेट एसोसिएशन में क्यों हुआ ये विवाद?

यह सारा विवाद हाल ही में सितंबर में हुए अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के चुनावों के बाद शुरू हुआ है। इन चुनावों में नबाम विवेक को अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन इसके बाद कई जिला संघों ने चुनाव प्रक्रिया में धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। फिलहाल अदालत ने इस मामले पर सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जब तक इस विवाद पर कोई फैसला नहीं आ जाता, तब तक क्रिकेट एसोसिएशन टीम का चयन नहीं कर सकती। इस कानूनी मामले की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी अरुणाचल प्रदेश के लिए अलग से कोई स्वतंत्र चयन समिति नहीं बना पा रहा है। वैसे बीसीसीआई ने इससे पहले बिहार के मामले में ऐसी समिति बनाकर मदद की थी। उस नए सिलेक्शन कमिटी ने बिहार की टीम का चयन किया।

न्यूजीलैंड को इंडिया सीरीज से पहले लगा डबल झटका, दो बड़े खिलाड़ी हुए टी20 सीरीज से बाहर



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से ठीक पहले न्यूजीलैंड टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। स्टार खिलाड़ी मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से परेशान हैं। अब उन दोनों की जगह टीम में ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है। टी20 सीरीज का पहला मैच 22 अक्टूबर को खेला जाएगा।

यूरोपियन टी20 लीग में खेलने के दौरान चैपमैन को लगी चोट

मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग में खेलने के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, हालांकि उम्मीद है कि वे भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से तक ठीक हो जाएंगे। वहीं फॉल्क्स की बात करें तो उन्हें प्रैक्टिस के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लगी थी। वे इसी वजह से बाहर हुए हैं और कब तक ठीक होंगे इसको लेकर कुछ भी कहा नहीं जा सकता।

खिलाड़ियों के चोटिल होने पर हेड कोच ने क्या कहा?

न्यूजीलैंड के हेड कोच वॉल्टर ने कहा कि मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स के चोटिल होने से उन्हें काफी दुख है और वे उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद करते हैं। हालांकि उन्होंने खुशी जताई कि टीम में जोश क्लार्कसन और ब्लेयर टिकनर जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।

कोच के मुताबिक, दोनों ही खिलाड़ी इस रोमांचक टी20 सीरीज में खेलने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था वर्ल्ड कप में फाइनल

इस साल की शुरुआत में हुए मेंस टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया था। अब दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला और दूसरा मैच 22 और 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में होगा। इसके बाद तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन, चौथा मैच 30 अक्टूबर को ऑकलैंड और आखिरी मैच 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। इस टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने हाल ही में स्क्वॉड का ऐलान किया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड स्क्वॉड

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर

भारतीय पहलवानों का अमेरिकी वीजा हुआ खारिज U23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेसलिंग प्लेयर्स को अमेरिका के लास वेगास में होने वाली 12 से 18 अक्टूबर तक U23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेना अब काफी मुश्किल लग रहा है।

इस चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों ने हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी दूतावास में वीजा के लिए आवेदन किया था लेकिन 9 पहलवानों का वीजा खारिज कर दिया गया है, जिसमें एक नाम साल 2024 में U17 वर्ल्ड चैंपियन रहीं नेहा सांगवान का भी शामिल है। वीजा के लिए आवेदन करने वाले रेसलर्स को 7 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में वीजा इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था, जिसके बाद उनका वीजा खारिज किए जाने की वजह बताने के साथ पासपोर्ट वापस कर दिया गया।

U23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी वीजा का आवेदन करने वाले भारतीय पहलवानों में जिनका वीजा खारिज किया गया है उसमें समाचार एजेंसी के अनुसार यूएसए दूतावास की तरफ से बताया गया कि उनके आवेदन 20 साल से कम उम्र और रोजगार नहीं होने के कारण खारिज किए गए हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ यानी WFI ने इस मामले को लेकर नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से मामलों पर पुनर्विचार करने और उन पहलवानों को वीजा देने का अनुरोध किया है जिनको 8 अक्टूबर को वीजा इंटरव्यू के लिए बुलाया गया है।

महासंघ ने जो लेटर लिखा है उसके अनुसार लिखा कि आज 24 प्रतिभागी अपने वीजा इंटरव्यू के लिए दूतावास पहुंचे जिनमें से इस खेल जुड़े 16 पहलवान शामिल थे। लेकिन नौ पहलवानों के वीजा कथित तौर पर उनकी रोजगार स्थिति और 20 साल से कम उम्र होने के कारण खारिज कर दिए गए। महासंघ ने बताया कि आगामी चैंपियनशिप अंडर-23 आयु वर्ग के लिए है और इसमें भाग लेने वाले पहलवानों की उम्र 18 से 23 वर्ष के बीच है।

38 साल के कीवी क्रिकेटर ने किया संन्यास का ऐलान

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में बनाए 10 हजार से अधिक रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज और भारतीय मूल के क्रिकेटर जीत रावल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारत में जन्मे 38 साल के जीत रावल ने साल 2016 से 2020 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 24 टेस्ट मैच खेले हैं। जीत ने बताया कि क्रिकेट से विदा लेने के बाद अब वह अपनी नई शुरुआत करेंगे और एक ऑडिटिंग फर्म में चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) के तौर पर फुल टाइम काम करेंगे।



जीत रावल का जन्म गुजरात में हुआ था और उनका क्रिकेट का सफर काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने भारत के पूर्व खिलाड़ी पार्थिव पटेल के साथ अहमदाबाद के विद्यानगर स्कूल से पढ़ाई की थी और स्कूल के दिनों में दोनों साथ मिलकर ओपनिंग बल्लेबाजी करते थे। बाद में उनका परिवार गुजरात से न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में जाकर बस गया। वहां उन्होंने न्यूजीलैंड की अंडर-19 टीम से खेलते हुए अपनी पहचान बनाई और साल 2008 में ऑकलैंड की टीम से अपना पहला फर्स्ट-क्लास मैच खेला। इसके बाद साल 2016 में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया। खास बात यह भी है कि साल 2021 में जब न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था, तब जीत रावल भी उस विनिंग टीम का हिस्सा थे।

संन्यास लेते वक्त जीत रावल ने कहा कि यह फैसला लेना उनके लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात है. वह अपने इस फैसले से पूरी तरह खुश और संतुष्ट हैं। उन्होंने आगे कहा कि न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना उनका बचपन का सपना था और जब वह अपने करियर को देखते हैं, तो उन्हें बहुत खुशी होती है। यह सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि उनके पिता का भी सपना था। उनके पिता ने एक बेहतर भविष्य की उम्मीद देखी और पूरे परिवार को न्यूजीलैंड लेकर आ गए ताकि वह क्रिकेटर बनने का अपना सपना पूरा कर सकें।

जीत रावल न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और बेहतरीन ओपनिंग बल्लेबाजों में से एक थे। उन्होंने अपने करियर की 292 फर्स्ट-क्लास पारियों में से 285 पारियों बतौर ओपनर बल्लेबाजी की और करीब 37 के औसत से 10127 रन बनाए, जिसमें 23 शतक शामिल हैं। न्यूजीलैंड के सबसे बड़े घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में उन्होंने 8662 रन बनाए। जीत ने अपने करियर में 24 टेस्ट मैच की 39 पारियों में 30.07 के औसत से 1143 रन बनाए। इस दौरान वह 1 शतक और 7 अर्धशतक लगाने में कामयाब रहे थे।

व्यापार

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 321 अंक चढ़ा तो निफ्टी 22,300 के पार

मुंबई (एजेंसी)। गुरुवार की भयंकर बिकवाली और बाजार के निचले स्तर पर बंद होने के बाद शुक्रवार यानी 9 अक्टूबर को भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन निवेशकों की ओर से की गई जोरदार खरीदारी की बदौलत घरेलू बाजार हरे निशान में खुले। सत्र की शुरुआत में ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 300 अंकों से ज्यादा उछल गया, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 22,300 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में कामयाब रहा। बाजार में आई इस तेजी की मुख्य वजह आईटी सेक्टर के दिग्गजों में रही जबरदस्त लिवाली है।



शुक्रवार सुबह करीब 9:16 बजे बाजार का रुख पूरी तरह से सकारात्मक दिखा। बीएसई सेंसेक्स 321 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 71,914 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 117 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त लेकर 22,349 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में चौतरफा लिवाली के कारण एडवांस्ड-डिक्लाइन रेशियो भी मजबूत रहा। शुरुआती सत्र में लगभग 1,151 शेयरों में उछाल दर्ज किया गया, जबकि केवल 770 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में दिखे। इसके साथ ही बाजार की अस्थिरता को दर्शाने वाला इंडिया विक्स 4.45% गिरकर 14.25 पर आ गया, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

IT शेयरों ने भरी हुंकार, FMCG में भी खरीदारी

सेक्टर वाइस आंकड़ों पर नजर डालें तो निफ्टी आईटी इंडेक्स में 3.00% की तगड़ी उछाल दर्ज की गई। टीसीएस 4.18% की भारी बढ़त के साथ टॉप गेनर रहा। इसके अलावा इंफोसिस (+2.83%), एचसीएल टेक (+2.70%) और टेक महिंद्रा (+2.03%) में भी जोरदार खरीदारी देखी गई। आईटी के अलावा अपोलो हॉस्पिटल्स (+2.31%), मैक्स हेल्थकेयर (+2.11%), एचडीएफसी लाइफ (+1.50%), आईटीसी (+1.45%) और एचडीएफसी बैंक (+1.16%) में भी अच्छी तेजी रही। निफ्टी एफएमसीजी में 0.97% और निफ्टी सर्विसेज में 1.07% का इजाफा देखा गया।

स्मॉलकैप और मिडकैप का भी दिखा जलवा

केवल बड़े शेयर ही नहीं, बल्कि ब्रॉडर मार्केट में भी अच्छी रिकवरी दर्ज हुई। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.89 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.64 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। दूसरी ओर, कोल इंडिया (-0.88%), रिलायंस इंडस्ट्रीज (-0.76%), जेएसडब्ल्यू स्टील (-0.66%) और बीईएल (-1.13%) जैसे चुनिंदा शेयरों में हल्की सुस्ती बनी रही।

GST में अब छोटी गलती पर नहीं होगी बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। GST से जुड़े कारोबारियों और टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत की खबर है। 57वीं GST काउंसिल की बैठक में टैक्स नियमों से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद छोटी गलती या देरी को लेकर कारोबारियों पर जरूरत से ज्यादा सख्त कार्रवाई को कम करना है। अब सामान्य तौर पर गलती होने पर रिकवरी, ब्याज और अनुपातिक पेनल्टी तक ही कार्रवाई सीमित रखने का फैसला किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में देश के व्यापारियों और करदाताओं के पक्ष में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। जीएसटी काउंसिल के नए फैसले के अनुसार, अब जीएसटी कानून के तहत टैक्स अधिकारियों के पास मौजूद गिरफ्तारी का अधिकार पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा, अभियोजन (Prosecution) की सीमा को ₹1 करोड़ से बढ़ाकर ₹5 करोड़ कर दिया गया है। न्यूनतम सजा का प्रावधान भी हटा दिया गया है और जुर्माना या जेल का निर्णय अब पूरी तरह से अदालती विवेक पर निर्भर करेगा। जहां किसी गलती के लिए अलग से कोई पेनल्टी तय नहीं है, वहां लगने वाली सामान्य पेनल्टी को ₹25,000 से घटाकर 10,000 कर दिया गया है। इससे छोटे कारोबारियों और टैक्सपेयर्स को राहत मिल सकती है। काउंसिल के फैसले के मुताबिक, अगर कोई टैक्सपेयर रिटर्न देर से दाखिल करता है, गलती करता है या भुगतान में पीछे रह जाता है, तो उससे रिकवरी, ब्याज और अनुपातिक पेनल्टी ली जाएगी।

एयर इंडिया और AI एक्सप्रेस ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज



मुंबई (एजेंसी) एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। एयरलाइंस के मुताबिक, बढ़ा हुआ सरचार्ज 9 अक्टूबर से लागू होगा। वहीं, अकासा एयर ने घरेलू उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज दोबारा लागू करने का फैसला किया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए सरचार्ज में बढ़ोतरी की है। अकासा एयर की संशोधित दरें भी 9 अक्टूबर से लागू होंगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए नई दरें 9 अक्टूबर की रात 12 बजे से और एयर इंडिया के लिए 9 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से की गई नई बुकिंग पर लागू होंगी। एक बयान में एयर इंडिया ने कहा कि हाल के महीनों में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है, जिसका मुख्य कारण भू-राजनीतिक घटनाक्रम और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर लगातार दबाव है। बयान में कहा गया, "ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी ने एयरलाइंस की परिचालन लागत को और बढ़ा दिया है, जबकि एयरलाइन के कुल खर्च में ईंधन का हिस्सा काफी बड़ा बना हुआ है।"

विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) किसी एयरलाइन की परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत होता है। घरेलू उड़ानों के लिए संशोधित फ्यूल सरचार्ज दूरी के आधार पर 400 रुपये से 1,200 रुपये के बीच है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज क्षेत्र और देश के आधार पर 55 USD से 215 USD के बीच है।

TCS का मुनाफा 15% बढ़ा

मुंबई (एजेंसी)। देश की दिग्गज IT कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। सितंबर तिमाही में कंपनी ने मुनाफे और कमाई दोनों में बढ़त दर्ज की है। TCS का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 15 फीसदी बढ़कर 13,884 करोड़ पहुंच गया। वहीं, कंपनी की आय भी 11.22 फीसदी बढ़कर 73,188 करोड़ हो गई। नतीजों के साथ ही कंपनी ने शेयरधारकों के लिए ₹12 प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है।

मुनाफा बढ़कर 13,884 करोड़ हुआ

टीसीएस ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा ₹13,884 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में इसमें 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। खास बात यह है कि कंपनी का मुनाफा बाजार के अनुमान से भी बेहतर रहा। बाजार को सितंबर तिमाही में TCS का मुनाफा करीब ₹13,788 करोड़ रहने की उम्मीद थी। कंपनी के बेहतर मुनाफे से निवेशकों का ध्यान TCS के शेयर पर भी रहेगा। हालांकि, कंपनी के कुछ ऑपरेशनल आंकड़े बाजार की उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतरे।



73,188 करोड़ की हुई कमाई

सितंबर तिमाही में TCS का रेवेन्यू 11.22 फीसदी बढ़कर 73,188 करोड़ हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी की आय 65,799 करोड़ थी। इस बार कंपनी का रेवेन्यू बाजार के अनुमान 73,026 करोड़ से ज्यादा रहा। हालांकि, ऑपरेटिंग प्रॉफिट के मामले में कंपनी उम्मीद से पीछे रही। सितंबर तिमाही में TCS का EBIT यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट ₹17,553 करोड़ रहा, जबकि बाजार का अनुमान 17,805 करोड़ का था।

शेयरधारकों को मिलेगा 12 का डिविडेंड

TCS के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1 फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 12 का दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों के पास रिकॉर्ड डेट पर TCS के शेयर होंगे, उन्हें हर शेयर पर 12 का डिविडेंड मिलेगा। कंपनी ने इसके लिए 14 अक्टूबर 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है।

डिविडेंड का भुगतान 30 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। इससे पहले जुलाई 2026 में भी TCS ने 12 प्रति शेयर का पहला अंतरिम डिविडेंड घोषित किया था।

5.98 लाख से ज्यादा कर्मचारी

कंपनी के कर्मचारियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। सितंबर तिमाही के अंत तक TCS के कुल कर्मचारियों की संख्या 5.98 लाख से ज्यादा हो गई। कंपनी कर्मचारियों की ट्रेनिंग और नई स्किल्स विकसित करने पर भी जोर दे रही है। तिमाही के दौरान कर्मचारियों के लर्निंग आवर्स 17 फीसदी बढ़कर 1.71 करोड़ घंटे हो गए। कंपनी का कहना है कि बदलती तकनीक और कारोबारी जरूरतों के हिसाब से कर्मचारियों को तैयार करने पर लगातार निवेश किया जा रहा है।

एआई+ स्मार्टफोन ने पल्स 2 एफई और दो टैबलेट किए लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई+ स्मार्टफोन ने फेस्टिव सीजन से पहले पल्स 2 एफई स्मार्टफोन और नोवाटैब व लैपटैब टैबलेट लॉन्च किए हैं। कंपनी के अनुसार, नए डिवाइस पढ़ाई, मनोरंजन, संचार और कामकाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। पल्स 2 एफई शुरुआती स्मार्टफोन यूजर्स के लिए है, जबकि नोवाटैब में 5जी कनेक्टिविटी के साथ पढ़ाई के लिए बड़ी स्क्रीन दी गई है। लैपटैब में 13.2 इंच की स्क्रीन, स्टायलस सपोर्ट और अटैचेबल कीबोर्ड मिलता है। कंपनी ने पोर्टफोलियो में एंड्रॉयड 16 आधारित एनएक्सटी क्यू ओएस, हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले और बड़ी बैटरी जैसे फीचर्स शामिल किए हैं। तीनों डिवाइस की बिक्री 7 अक्टूबर 2026 की रात से फ्लिपकार्ट पर शुरू होने की घोषणा की गई है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए न्याय और सुरक्षा को सुदृढ़ करना एक संवैधानिक गारंटी



- रामदास अठावले

एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस भरोसे पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा, समानता और सुरक्षा के साथ जीवन यापन कर सके।

अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए यह प्रतिबद्धता मजबूत संवैधानिक सुरक्षा उपायों, प्रभावी कानूनों और उत्तरदायी संस्थाओं के माध्यम से ठोस रूप लेती है। इसलिए, भारत सरकार ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और संस्थागत फ्रेमवर्क को लगातार मजबूत किया है।

इस फ्रेमवर्क का आधार दो प्रमुख कानून हैं: नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 (PCR Act) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (SC/ST (PoA) Act)।

वर्षों से इन कानूनों को विधायी संशोधनों, बेहतर राहत और पुनर्वास प्रावधानों, विशेष न्यायिक तंत्रों, शिकायत-निवारण प्रणालियों तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता के जरिए सुदृढ़ किया गया है।

न्याय के लिए एक अधिक सशक्त कानूनी फ्रेमवर्क

जाति-आधारित अत्याचारों के प्रति संवेदनशील समुदायों की चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए एससी/एसटी (PoA) अधिनियम, 1989 में उल्लेखनीय विकास हुआ है। इस दिशा में एक बड़ा कदम 26 जनवरी 2016 से प्रभावी हुए संशोधनों के जरिए उठाया गया।

इन संशोधनों में अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों (Exclusive Special Courts) की स्थापना और अनन्य विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया। अधिनियम में कई नए प्रकार के अत्याचारों को भी शामिल किया गया, जिससे एससी और एसटी समुदायों को उपलब्ध कानूनी सुरक्षा का दायरा व्यापक हुआ।

उतना ही महत्वपूर्ण पीड़ितों और गवाहों के अधिकारों से जुड़ा एक समर्पित अध्याय जोड़ना भी था। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के प्रति राज्य सरकारों की जिम्मेदारियों को और सुदृढ़ किया गया-यह स्वीकार करते हुए कि न्याय केवल मामले के पंजीकरण और मुकदमे की सुनवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें प्रभावित लोगों की सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वास भी शामिल होना चाहिए।

इसके बाद, 14 अप्रैल 2016 को एससी/एसटी (PoA) नियम, 1995 में संशोधन किए गए। इन संशोधनों ने राहत और पुनर्वास फ्रेमवर्क को मजबूत किया, अत्याचार के 47 अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि में वृद्धि की और पीड़ितों तथा उनके आश्रितों को समय पर वित्तीय सहायता के वितरण पर जोर दिया।

समय पर न्याय की उपलब्धता सुनिश्चित करना

20 अगस्त 2018 को एससी/एसटी (PoA) अधिनियम में किए गए संशोधन के माध्यम से और भी महत्वपूर्ण बदलाव पेश किए गए। इस संशोधन ने इस कानून के तहत मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया। इसके अलावा, अधिनियम के तहत अपराध के आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता को भी हटा दिया गया।

उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था: प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं एससी और एसटी के खिलाफ अत्याचार से जुड़े अपराधों के पंजीकरण, जांच और अभियोजन में बाधा नहीं बननी चाहिए।

एससी/एसटी (PoA) नियम, 1995 में 27 जून 2018 को भी संशोधन किया गया, जिसने मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, एसिड हमले, संपत्ति के नुकसान और कानून के दायरे में आने वाले अन्य अपराधों के मामलों में राहत प्रावधानों को और मजबूत किया।

ये सुधार इस महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करते हैं कि कानून को केवल कागजों पर ही मजबूत नहीं होना चाहिए, बल्कि जब कोई पीड़ित सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाए, तब उसे सुलभ और संवेदनशील भी होना चाहिए।

त्वरित सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों का सुदृढ़ीकरण

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं। यह अधिनियम संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से, उन जिलों में सत्र न्यायालयों को विशेष न्यायालय के रूप में नामित करने का भी प्रावधान करता है जहां मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

> सरकार ने कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का भी समाधान किया है। उदाहरण के लिए, एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश से दूसरे में स्थानांतरित होने वाले पीड़ितों या आश्रितों को राहत प्रदान करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकारी के संबंध में प्रश्न उठे थे।

अनन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण का उद्देश्य अधिनियम के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण को सुगम बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों की पहुंच विशेष न्यायिक तंत्र तक हो।

शिकायत निवारण को नागरिकों के निकट लाना

कानूनी सुरक्षा तभी सार्थक होती है जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और उचित सहायता प्राप्त कर सकें। इसे ध्यान में रखते हुए, 13 दिसंबर 2021 को एससी और एसटी पर अत्याचार के खिलाफ राष्ट्रीय हेल्पलाइन (NHAA) शुरू की गई, जिसे बाद में 'संबल' (SAMBAL) नाम दिया गया।

टोल-फ्री नंबर 1800-202-1989 और शॉर्ट कोड हेल्पलाइन 14566 को एससी/एसटी (PoA) अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अधिक जागरूकता फैलाने और सूचना, मार्गदर्शन तथा शिकायत निवारण तंत्र तक पहुंच को आसान बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह अत्याचार से प्रभावित व्यक्तियों को अपने कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है।

जागरूकता और सुलभता को बढ़ाकर, यह हेल्पलाइन सुरक्षा और न्याय के व्यापक संस्थागत फ्रेमवर्क को मजबूती प्रदान करती है।

ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाना

किसी भी कानून की प्रभावशीलता अंततः उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसलिए, सरकार ने हितधारकों तथा संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ परामर्श के बाद पीसीआर अधिनियम, 1955 और एससी/एसटी (PoA) अधिनियम, 1989 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं।

ये दिशानिर्देश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता प्रदान करने तथा रोकथाम, सुरक्षा, राहत, पुनर्वास और जागरूकता से संबंधित उपायों को मजबूत करने के लिए एक संरचित रूपरेखा तैयार करते हैं।

सरकार ने कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का भी समाधान किया है। उदाहरण के लिए, एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश से दूसरे में स्थानांतरित होने वाले पीड़ितों या आश्रितों को राहत प्रदान करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकारी के संबंध में प्रश्न उठे थे।

स्पष्टता और एकरूपता लाने के लिए, 20 जून 2025 को जारी एक स्पष्टीकरण में यह निर्धारित किया गया कि एससी/एसटी (PoA) नियमों के तहत निर्धारित राहत राशि उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश द्वारा प्रदान की जाएगी जहां अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ऐसे उपाय महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कानून के तहत उपलब्ध सुरक्षा तब भी प्रभावी रहनी चाहिए जब पीड़ित या उनके आश्रित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सीमाओं से बाहर चले जाएं। यह स्पष्टीकरण राहत राशि के समय पर वितरण की सुविधा प्रदान करता है और कार्यान्वयन में निरंतरता को मजबूत करता है।

पीड़ितों और सामाजिक समावेशन पर केंद्रित केंद्रीय सहायता

पीसीआर अधिनियम, 1955 और एससी/एसटी (PoA) अधिनियम, 1989 के कार्यान्वयन के लिए केंद्र प्रायोजित योजना प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने, पीड़ितों को राहत और पुनर्वास प्रदान करने तथा सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

वर्ष 2014-15 से अब तक इस योजना के तहत 5,012.17 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की जा चुकी है। इस अवधि के दौरान, अत्याचार के लगभग 7,26,588 पीड़ितों को राहत प्रदान की गई है, जबकि 2,21,716 जोड़ों को अंतरजातीय विवाह के लिए प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है।

ये आंकड़े केवल वित्तीय आवंटन और लाभार्थियों की संख्या से कहीं अधिक हैं। ये सरकार के उस निरंतर प्रयास को दर्शाते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि पीड़ितों को आवश्यकता पड़ने पर सहायता मिले और समानता तथा समावेशन को बढ़ावा देने वाले उपायों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को बल मिले।

केंद्र में न्याय, गरिमा और समानता

एससी/एसटी (PoA) अधिनियम और नियमों को सुदृढ़ करना, विशेष न्यायिक तंत्र की स्थापना, राहत और पुनर्वास प्रावधानों में वृद्धि, एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन का गठन, कार्यान्वयन दिशानिर्देश जारी करना और निरंतर केंद्रीय वित्तीय सहायता-ये सभी मिलकर एससी और एसटी समुदायों की सुरक्षा की दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण तैयार करते हैं।

हमारी प्रतिबद्धता केवल अत्याचार होने के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं है। यह समान रूप से रोकथाम, जागरूकता, संस्थागत जवाबदेही, समय पर राहत, पुनर्वास और ऐसी परिस्थितियां बनाने के बारे में भी है जिसमें प्रत्येक नागरिक गरिमा के साथ और बिना किसी डर के जी सके।

भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता, गरिमा और न्याय की गारंटी देता है। इन मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर सतर्कता, प्रभावी कार्यान्वयन और केंद्र, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता है।

सरकार इन तंत्रों को मजबूत करने, कार्यान्वयन की चुनौतियों का समाधान करने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखेगी कि कानूनी सुरक्षा उपाय ज़मीनी स्तर पर सार्थक सुरक्षा में परिवर्तित हों। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए न्याय केवल एक संवैधानिक वादा नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गरिमा, सुरक्षा, समानता और अवसर की एक जीवंत वास्तविकता के रूप में अनुभव किया जाना चाहिए।

(लेखक सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री हैं)

(10 अक्टूबर, आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जयंती पर विशेष)

मौन से निकली वह आवाज, जो समाज को दिशा देती रही



- तमन्ना रिज़वी

हर दौर में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनके शब्दों से कम और उनके जीवन से अधिक होती है । वे बहुत कुछ कहने के बजाय अपने आचरण से समाज को सोचने की एक नई दिशा देते हैं। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का जीवन भी ऐसी ही प्रेरणा का उदाहरण है । उन्होंने प्रसिद्धि की तलाश नहीं की, किसी पद की इच्छा नहीं की और अपने लिए किसी सम्मान की मांग भी नहीं की। लेकिन उनका जीवन शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, करुणा और मानवीय मूल्यों से जुड़े ऐसे विचार छोड़ गया, जिन पर आज भी समाज सोच सकता है ।

आज का समय तेज आवाजों और लगातार दिखाई देने वाली मौजूदगी का समय है। हर व्यक्ति अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहता है। सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि की रफ्तार जरूर बढ़ा दी है, लेकिन उसका असर कई बार उतनी ही तेजी से कम भी हो जाता है। ऐसे समय में आचार्य विद्यासागर जी का जीवन एक अलग संदेश देता है—समाज पर गहरा प्रभाव डालने के लिए हमेशा बहुत बोलना या दिखाई देना जरूरी नहीं होता। कई बार शांत जीवन और सादगी से जिया गया जीवन भी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा बन जाता है ।

वे कम बोलते थे, लेकिन उनका जीवन बहुत कुछ कहता था । उन्होंने कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं चलाया, फिर भी सामाजिक सोच को प्रभावित किया। कोई सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन शिक्षा, रोजगार, भाषा, संस्कृति, आत्मनिर्भरता, चिकित्सा और नैतिक जीवन जैसे विषयों पर उनकी दृष्टि व्यापक चर्चा का हिस्सा बनी ।

उन्होंने अपने लिए बहुत कम चाहा, लेकिन समाज के लिए कई ऐसे विचार छोड़े, जिन पर आज भी विचार किया जा सकता है। इसीलिए उनका स्मरण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है यह उस भारत के बारे में सोचने का अवसर भी है, जो अपने महान व्यक्तित्वों को किस आधार पर पहचानता है और उन्हें राष्ट्रीय स्मृति में किस स्थान पर रखता है।

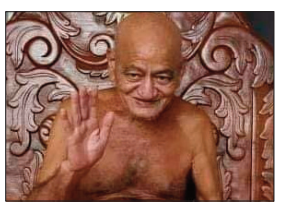
10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगावी जिले के सदलगा गांव में शरद पूर्णिमा की रात विद्याधर अष्टगे का जन्म हुआ। सामान्य पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण से निकला यह बालक आगे चलकर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के प्रमुख नामों में शामिल हुआ । 22 वर्ष की आयु में उन्होंने सांसारिक जीवन का त्याग किया। 30 जून 1968 को अजमेर में आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दिगंबर जैन मुनि दीक्षा ग्रहण की। इसके चार वर्ष बाद, 22 नवंबर 1972 को उन्हें आचार्य पद प्रदान किया गया ।

इसके बाद उनका जीवन अनुशासन, साधना और आत्मसंयम की एक लंबी यात्रा बन गया। पैदल यात्राएं, सीमित आवश्यकताएं और कठिन साधना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहीं। लेकिन इस तपस्या ने उन्हें समाज से दूर नहीं किया । इसके विपरीत, समाज और उसके बीच मौजूद जरूरतों को समझने की उनकी दृष्टि और गहरी होती गई।

उनके लिए अध्यात्म केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित नहीं था। उसमें समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी शामिल था । शिक्षा कैसी हो, युवाओं को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे मजबूत किया जा सकता है, महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार के अवसर कैसे मिलें, भारतीय भाषाओं का महत्व कैसे बढ़े और विकास के साथ संवेदनशीलता कैसे बनी रहे—ये सभी विषय उनके चिंतन का हिस्सा रहे ।

आत्मनिर्भरता पर उनका जोर विशेष रूप से उल्लेखनीय था । चरखा और हथकरघे से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के पीछे केवल रोजगार की सोच नहीं थी । इसके साथ श्रम के सम्मान और अपने पैरों पर खड़े होने का विचार भी जुड़ा था। ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और आजीविका के अवसरों से जुड़े प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं ।

चरखा उनके लिए सिर्फ एक साधन नहीं था। वह अपने श्रम पर भरोसा करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का प्रतीक भी



था। यही सोच जेलों तक भी पहुंची। कौशल और हथकरघा जैसी गतिविधियों के जरिए बंदियों को उपयोगी काम से जोड़ने की पहल के पीछे भी यही विचार था कि किसी व्यक्ति को हमेशा सहायता का पात्र बनाकर रखना समाधान नहीं है। उसे अपनी क्षमता पहचानने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देना ज्यादा जरूरी है ।

उनका व्यक्तित्व साहित्य और ज्ञान से भी गहराई से जुड़ा था। अनेक भारतीय भाषाओं से परिचित इस संत ने अपने आध्यात्मिक चिंतन को साहित्य का रूप भी दिया। उनकी चर्चित कृति 'मूकमाटी' जीवन, चेतना और भीतर के बदलाव पर गंभीर विचार सामने रखती है। इस रचना का अंग्रेजी अनुवाद The Silent Earth भी सामने आया और राष्ट्रपति भवन में इसका विमोचन हुआ। यह तथ्य भी बताता है कि उनका साहित्य धार्मिक दायरे से बाहर निकलकर व्यापक बौद्धिक और सांस्कृतिक क्षेत्र तक पहुंचा।

शिक्षा को लेकर भी उनकी सोच व्यापक थी। वे केवल डिग्री हासिल करने को शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा का असली अर्थ था—ज्ञान के साथ चरित्र, संवेदना और जिम्मेदारी का विकास ।

बालिकाओं के लिए मूल्य आधारित शिक्षा की दिशा में काम करने वाली संस्थाओं को भी इसी सोच से प्रेरणा मिली। प्रतिभास्थल ज्ञानोदय विद्यापीठ जैसे प्रयास शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की कोशिश करते हैं ।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण सेवा से जुड़ा रहा। चिकित्सा को केवल एक पेशे के रूप में देखने के बजाय मानव सेवा का माध्यम मानने की भावना उनके विचारों में दिखाई देती है । भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को लेकर भी उनकी दृष्टि महत्वपूर्ण थी। उनका मानना था कि ज्ञान तभी व्यापक रूप से लोगों तक पहुंच सकता है, जब वह उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध हो।

उनकी करुणा केवल मनुष्य तक सीमित नहीं थी। अहिंसा, पशु संरक्षण, पर्यावरण और सीमित उपभोग के प्रति उनका आग्रह आज के समय में और अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। आज जब विकास और उपभोग के बीच संतुलन बनाना दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है, तब कम में संतोष, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हर जीव के प्रति करुणा का विचार केवल धार्मिक संदेश नहीं रह जाता। यह हमारे सामाजिक जीवन और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है ।

उनके जीवन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मिली श्रद्धांजलियां भी उनके व्यापक प्रभाव की ओर संकेत करती हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि आचार्य विद्यासागर जी का जीवन ज्ञान, करुणा और सेवा की त्रिवेणी था। प्रधानमंत्री ने उनके आध्यात्मिक जागरण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान को भी याद किया । उनके अनुसार, उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा ।

वहीं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन के एक समारोह में आचार्य जी की कृति 'मूकमाटी' के बंगला और अंग्रेजी संस्करण प्रस्तुत किए गए थे। उत्तर प्रदेश की तत्कालीन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा था कि उनके आध्यात्मिक जागरण के संदेश हमेशा याद किए जाएंगे और उन्होंने गरीबी उन्मूलन के साथ स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र मे भी महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

इन प्रतिक्रियाओं में एक बात समान दिखाई देती है—आचार्य विद्यासागर जी का प्रभाव किसी एक धार्मिक सीमा में सीमित नहीं था। उनके विचार शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं, संस्कृति, अहिंसा और मानवीय संवेदना जैसे व्यापक विषयों से जुड़े थे ।

यहीं से देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान की चर्चा को समझने की जरूरत है ।

क्या ऐसे जीवन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के दायरे में देखा जाना चाहिए ?

आचार्य विद्यासागर जी के लिए भारत रत्न की मांग को केवल किसी एक धार्मिक समुदाय की भावनात्मक मांग के रूप में देखना उनके व्यापक योगदान को सीमित कर देगा । असल सवाल इससे कहीं बड़ा है । यह इस बात से जुड़ा है कि एक लोकतांत्रिक राष्ट्र अपने उन व्यक्तित्वों को किस तरह पहचानता है, जिन्होंने बिना किसी पद या राजनीतिक शक्ति के समाज को प्रभावित किया ।

भारत रत्न किसी व्यक्ति के धर्म, पद या राजनीतिक प्रभाव का सम्मान नहीं है। यह असाधारण राष्ट्रीय योगदान की स्वीकृति है । इसलिए यदि यह सम्मान ऐसे व्यक्तित्व को मिलता है, जिसने शिक्षा, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, साहित्य, भारतीय भाषाओं, सामाजिक सेवा, नैतिक जीवन और करुणा जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी, तो इसे केवल एक समुदाय का सम्मान मानना उचित नहीं होगा ।

बल्कि ऐसे व्यक्ति को यह सम्मान मिलना भारत की लोकतांत्रिक सोच और उसकी व्यापक सामाजिक चेतना का भी सम्मान होगा। यह भारत के लोगों के लिए भी गर्व की बात होगी कि देश ने ऐसे जीवन को अपनी राष्ट्रीय स्मृति में विशेष स्थान दिया, जिसने बिना किसी पद या व्यक्तिगत लाभ की इच्छा के समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया ।

लोकतंत्र केवल सरकार बनाने या चुनाव में भाग लेने का नाम नहीं है। लोकतंत्र उन मूल्यों को भी सम्मान देता है, जो समाज को बेहतर और अधिक संवेदनशील बनाते हैं । इसलिए किसी ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना, जिसने शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता और मानवीय करुणा को अपने जीवन का आधार बनाया, लोकतंत्र की इसी व्यापक भावना को मजबूत करता है ।

राष्ट्र निर्माण केवल संसद भवन, सरकारी कार्यालयों या सत्ता के गलियारों में नहीं होता। राष्ट्र उन खेतों में भी बनता है, जहां किसान मेहनत करता है । उन स्कूलों में भी बनता है, जहां बच्चे सीखते हैं। उन हाथों में भी बनता है, जो श्रम को सम्मान देते हैं। और उन जीवनों में भी बनता है, जो बिना किसी पद की इच्छा के समाज के लिए कुछ करने का रास्ता चुनते हैं ।

भारत का लोकतंत्र केवल चुनाव और अधिकारों की व्यवस्था नहीं है। यह एक ऐसी सामाजिक चेतना भी है, जिसमें अलग-अलग विचारों, परंपराओं और जीवन मूल्यों के लिए सम्मान की जगह हो ।

इसी दृष्टि से किसी संत के जीवन को राष्ट्रीय सम्मान देना धर्म और राजनीति को मिलाने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज के नैतिक और मानवीय योगदान को पहचानने का एक अवसर भी हो सकता है—बशर्ते इसे व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाए।

शायद यही इस मांग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है । आचार्य विद्यासागर जी को यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना केवल एक व्यक्ति को सम्मान देना नहीं होगा। यह उन मूल्यों को सम्मान देना होगा, जिनकी आज भारत को पहले से कहीं अधिक जरूरत महसूस होती है—संयम, करुणा, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, सेवा और जिम्मेदारी ।

और शायद इससे भी आगे, यह उस भारत के प्रति विश्वास व्यक्त करने जैसा होगा, जहां किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके पद, प्रसिद्धि या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके जीवन के योगदान से तय होती है ।

18 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरि तीर्थ में उनका भौतिक जीवन समाप्त हुआ। लेकिन कुछ जीवन मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते। वे विचार बनकर आगे बढ़ते हैं ।

आज उनके जीवन को याद करते हुए हमारे सामने कई सवाल खड़े होते हैं। शिक्षा का अंतिम उद्देश्य क्या है ? विकास का अर्थ केवल अधिक उपभोग है या बेहतर जीवन? क्या आर्थिक प्रगति मानवीय संवेदना के साथ आगे बढ़ सकती है? और क्या आधुनिक होने का अर्थ अपनी जड़ों से दूर होना है ?

इन सवालों के जवाब शायद किसी एक भाषण या किताब में नहीं मिलेंगे। लेकिन उनका संकेत उस जीवन में जरूर दिखाई देता है, जिसने सुविधाओं के बजाय सिद्धांतों को चुना और अपने व्यक्तिगत सुख से अधिक समाज के हित को महत्व दिया।

जिस व्यक्ति ने अपने लिए सम्मान नहीं मांगा, उसके जीवन को राष्ट्र सम्मान दे—इससे सुंदर लोकतांत्रिक संदेश और क्या हो सकता है ?

क्योंकि किसी राष्ट्र की महानता केवल उसकी संपत्ति, शक्ति या तकनीक से तय नहीं होती। उसकी असली पहचान इस बात से भी होती है कि वह किन जीवन-मूल्यों को सम्मान देता है और किन लोगों को अपनी राष्ट्रीय स्मृति में स्थान देता है ।

आचार्य विद्यासागर जी का मौन आज भी जैसे यही सवाल पूछता है ।

और शायद इस पूरे विमर्श का सबसे गहरा अर्थ भी यही है—क्या हम उस मौन में छिपी आवाज को सुनकर उसे राष्ट्रीय सम्मान देने के लिए तैयार हैं ?

जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता का संदेश लेकर चला अभियान



कोरबा। हसदेव जल संसाधन विभाग के तत्वावधान में हसदेव बैराज जलप्रबंध संभाग, रामपुर में 'जल जन सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य जल के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना, जलाशयों और अन्य जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए जनभागीदारी बढ़ाना तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश देना था।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई मित्रों और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में 'जल जन सेवा संकल्प' के पंपलेट लेकर जल की प्रत्येक बूंद बचाने और जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। इसके बाद परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। सहभागी लोगों ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता में श्रमदान किया और आसपास के लोगों को भी अपने परिवेश को साफ रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जल जीवन का आधार है। पेयजल, कृषि, उद्योग और प्रकृति के संतुलन के लिए जल स्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। बैराज, जलाशय और नदियां केवल जल उपलब्ध कराने के साधन नहीं, बल्कि क्षेत्र के पर्यावरण और जनजीवन से भी जुड़ी हैं। इनकी स्वच्छता और सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की भी है।

उन्होंने जल के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि जल की बर्बादी रोकना और वर्षा जल का संरक्षण करना समय की आवश्यकता है। आज जल संसाधनों की सुरक्षा के लिए उठाए गए छोटे-छोटे कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की नींव बन सकते हैं। जल स्रोतों में कचरा नहीं डालना, पानी का अनावश्यक उपयोग रोकना और स्वच्छता बनाए रखना हर नागरिक का दायित्व है।

अभियान में सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सफाई मित्रों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण और स्वच्छता के कार्यों में सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू 10 अक्टूबर को

कोरबा । जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कोरबा द्वारा दिशा प्रोजेक्ट के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों के अस्थायी नियोजन के लिए 10 अक्टूबर 2026 को वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, गणित, हिंदी और अंग्रेजी विषयों में एक-एक अतिथि शिक्षक का चयन किया जाएगा। इंटरव्यू के लिए पंजीयन सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। दोपहर 12 बजे के बाद साक्षात्कार लिया जाएगा। आयोजन स्थल एसईसीबी, कोरबा स्थित हिंदी माध्यम विद्यालय निर्धारित है। संबंधित विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर, बी.एड. तथा विद्यालय में पीजीटी के रूप में कम से कम 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयन दस्तावेज सत्यापन, शैक्षणिक एवं अनुभव के अंकों, डेमो अध्यापन और संरचित साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। चयनित अतिथि शिक्षक को शर्तों के अधीन अधिकतम 10 माह तक 35,000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को मूल प्रमाण-पत्र, स्वप्रमाणित प्रतियां, फोटो, पहचान-पत्र और निर्धारित आवेदन प्रारूप साथ लाना होगा।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप

युवाओं की भागीदारी से बनेगा विकसित छत्तीसगढ़ : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी, नवाचार और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता से ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव है। युवाओं के ज्ञान, कौशल और नए विचारों का उपयोग जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री शुक्रवार को राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच के 36 युवा प्रतिभागियों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने छात्र जीवन, संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ भी आगे बढ़ रहा है। युवाओं को अपनी क्षमताएं निखारने और शासन-प्रशासन के साथ मिलकर जनहित से जुड़े विषयों के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए। जिलों में कार्य करते समय स्थानीय परिस्थितियों और लोगों की वास्तविक जरूरतों को समझना जरूरी है, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन और जनसेवाओं में सुधार हो सके।

साय ने शिक्षा को विकास का मूल मंत्र बताते हुए अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाएं सीमित थीं। उन्हें अपने गांव बगिया से लगभग छह किलोमीटर दूर दूसरे गांव के विद्यालय में पांचवीं की बोर्ड परीक्षा देने जाना पड़ा था। आज प्रदेश में आईआईएम, आईआईटी, ट्रिपल आईटी, एम्स और विधि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान उपलब्ध हैं। सरकार विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश, मध्यान्ह भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल भी आवश्यक है। सरकार युवाओं को प्रदेश में ही बेहतर रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर रोजगार सृजन करना प्राथमिकता है। नई औद्योगिक नीति में स्थानीय युवाओं, महिला उद्यमियों तथा अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सेमीकंडक्टर और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश से रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने आधुनिक तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि एआई मिशन के लिए बजट में 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से छह लाख विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा देने और करीब डेढ़ हजार अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि लगभग दस वर्ष की उम्र में पिता के निधन के बाद परिवार और खेती की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। चार भाइयों में सबसे बड़े होने के कारण उन्होंने कम उम्र में ही परिश्रम और जिम्मेदारी सीखी। निर्विरोध सरपंच चुने जाने से शुरू हुई उनकी जनसेवा की यात्रा विधायक, सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री तक पहुंची। उन्होंने युवाओं से कहा कि प्रत्येक दायित्व पूरी ईमानदारी से निभाएं और जनकल्याण को अपने कार्य का उद्देश्य बनाएं। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव तथा मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत ने बताया कि दो वर्षीय फेलोशिप में पांच माह का अध्ययन एवं प्रशिक्षण तथा 19 माह का मैदानी अनुभव शामिल है। प्रारंभिक तीन माह आईआईएम रायपुर में प्रशिक्षण के बाद 36 युवा जिला प्रशासन के साथ काम कर योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझेंगे। इनमें प्रदेश के 14 जिलों के प्रतिभागी शामिल हैं। कार्यक्रम में आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रोफेसर संजीव पराशर, उप सचिव सूरज साहू सहित अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार, निवेश और एआई मिशन से युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

- **रोजगार:** पिछले लगभग ढाई वर्षों में 700 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से करीब 24 हजार युवाओं को रोजगार मिला।
- **राज्य स्तरीय रोजगार मेला:** 95 से अधिक नियोक्ताओं ने भाग लिया और लगभग पांच हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मिले।
- **आईटीआई उन्नयन:** प्रदेश के 30 आईटीआई को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक बनाया जा रहा है।
- **एआई मिशन:** 500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान से छह लाख विद्यार्थियों को एआई शिक्षा देने और लगभग 1,500 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।
- **मेडिसिटी:** नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी और पांच हजार बिस्तरों की अस्पताल सुविधाओं की परिकल्पना है।
- **फेलोशिप:** दो वर्षीय कार्यक्रम में पांच माह का अध्ययन-प्रशिक्षण और 19 माह का मैदानी अनुभव शामिल है।

सार-बातें | राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी तेज, विश्वविद्यालयों में बनेंगे एनईपी सेल

कागजों से निकलकर जमीन पर दिखे शिक्षा नीति का असर: टंक राम वर्मा



रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने पहल तेज कर दी है। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए इसे कागजी निर्देशों और बैठकों तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में एनईपी सेल गठित करने तथा संभाग और जिला स्तर पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए। मंत्रालय में आयोजित अंतर-विभागीय समीक्षा सह ट्रांसफॉर्म समिति की पहली बैठक में पिछले दो वर्षों के दौरान नीति लागू करने में सामने आई व्यावहारिक कठिनाइयों, क्रेडिट सिस्टम और विषय चयन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, रीता यादव, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और समिति के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 और मुख्यमंत्री के विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में नई शिक्षा नीति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इसके लिए उद्योगों, कॉर्पोरेट संस्थानों और सीएसआर के माध्यम से विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराने तथा उद्योग-अकादमिक समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षण और निगरानी पर जोर

प्राध्यापकों और विद्यार्थियों की शंकाएं दूर करने प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में विश्वविद्यालयों में विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। संभाग और जिला स्तर पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक नोडल अधिकारी और दो विद्यार्थी ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए जाएंगे।

विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए एनईपी सेल बनाया जाएगा। बैठक में जनरल इलेक्टिव विषयों के पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र सरल बनाने, भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करने तथा छठे सेमेस्टर की अनिवार्य इंटर्नशिप के लिए उद्योगों से समन्वय करने के निर्देश दिए गए। निजी विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्राध्यापकों की उपस्थिति की निगरानी के लिए विशेष समिति गठित की जाएगी। पात्र विश्वविद्यालयों और बी++ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों में बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने के आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई करने को भी कहा गया।

नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए अहम फैसले

विश्वविद्यालयों में एनईपी सेल का गठन कर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक नोडल अधिकारी और दो विद्यार्थी ब्रांड एंबेसडर नियुक्त होंगे। हर सेमेस्टर की शुरुआत में कार्यशालाएं तथा संभाग और जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा को शामिल करने, जनरल इलेक्टिव विषयों को सरल बनाने और छठे सेमेस्टर की अनिवार्य इंटर्नशिप के लिए उद्योगों से समन्वय करने पर जोर दिया गया है। निजी विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानी के साथ पात्र संस्थानों में बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाएगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक सम्पन्न

औद्योगिक जल आबंटन की समीक्षा, पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत गठित राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित औद्योगिक इकाइयों के लिए वार्षिक जल आबंटन प्रदाय की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने प्राथमिकता के आधार पर पेयजल आपूर्ति हेतु जल प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराने हेतु जल संग्रहण एवं प्रदाय के लिए समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित उद्योगों (स्पंज आयरन, पावर प्लांट, सीमेंट एवं अन्य विनिर्माण इकाइयों) को जलाशयों व नदियों से दिए जाने वाले वार्षिक जल प्रदाय एवं नए आबंटन प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

भू-जल प्रबंधन और जल संरक्षण पर जोर-बैठक में राज्य भू-जल प्रबंधन एवं नियमन प्राधिकरण के गठन के संबंध में भी चर्चा हुई। औद्योगिक संस्थानों को स्वीकृत सीमा के भीतर ही जल उपयोग करने और जल शुल्क का समयबद्ध भुगतान करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने उद्योगों को जल संरक्षण के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD) तकनीक अपनाने, वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित करने तथा वर्षा जल संचयन प्रणालियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।

मिशन अमृत 2.0 के तहत 9 पेयजल योजनाओं को मंजूरी-बैठक में मिशन अमृत 2.0 तथा अन्य योजनाओं के अंतर्गत कुल 09 पेयजल प्रदाय योजनाओं के लिए स्वीकृत जल आबंटन की पुष्टि एवं अनुमोदन किया गया। इससे प्रदेश के नगरीय निकायों में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

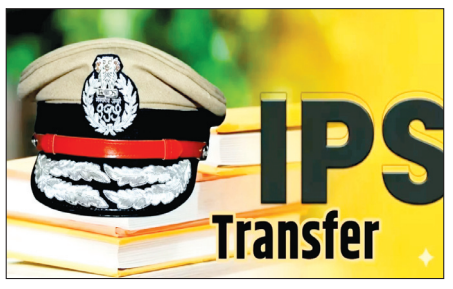
कृषि, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों के बीच जल के संतुलित बंटवारे पर बल दिया-मुख्य सचिव ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को कृषि, पेयजल और औद्योगिक



जरूरतों के बीच जल के संतुलित बंटवारे पर बल देने को कहा, ताकि आगामी शुष्क मौसम में पेयजल एवं कृषि सिंचाई पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी, भू-जल वैज्ञानिक सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ में बड़ी प्रशासनिक फेरबदल की गई है। 18 आईपीएस का तबादला किया गया है, जिसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक, सहायक पुलिस आयुक्त ईशु अग्रवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) नारायणपुर बनाए गए हैं।

झा अमनकुमार रमनकुमार (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला–बीजापुर से पुलिस अधीक्षक (एसआईए), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर,अजय कुमार (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला–नारायणपुर से पुलिस अधीक्षक (एसआईबी), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर,आकाश श्री श्रीमाल (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला भानूप्रतापपुर, जिला–कांकेर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक (अ.अ.वि.), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर,अक्षय प्रमोद सबद्रा (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला–नारायणपुर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक (योजना/प्रबंध), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर,आकाश कुमार शुक्ला (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) एसटीएफ, बघेरा, जिला–दुर्ग से सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एस.एन.टी.एफ.), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुरस रोहित कुमार शाह (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला–सुकमा से सेनानी, 15वीं वाहिनी छ.स.बल, बीजापुर,रविन्द्र कुमार मीणा (भापुसे–2021)- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (ऑप्स) जिला–बीजापुर से पुलिस अधीक्षक (चिटफंड एवं महिला विरुद्ध अपराध), पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर,धोत्रे सुमीतकुमार दत्ताहारी (भापुसे–2021)- नगर पुलिस अधीक्षक, जगदलपुर, जिला–बस्तर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला–कांकेर,ईशु अग्रवाल (भापुसे-2022)- सहायक पुलिस आयुक्त, आजाद चौक, रायपुर नगरीय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला नारायणपुर,मयंक मिश्रा (भापुसे-2022)- नगर पुलिस अधीक्षक, रायगढ़, जिला रायगढ़ से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला सुकमा,वैशाली जैन (भापुसे-2022)- नगर पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव, जिला राजनांदगांव से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला जगदलपुर,विमल कुमार पाठक (भापुसे-2022)- नगर पुलिस अधीक्षक, दर्री, जिला कोरबा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला नारायणपुर,हर्षित मेहर (भापुसे-2022)- नगर पुलिस अधीक्षक, दुर्ग, जिला दुर्ग से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला कोंडागांव,राहुल बंसल (भापुसे-2022)- नगर पुलिस अधीक्षक, अंबिकापुर, जिला सरगुजा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), जिला बीजापुर,अंशिका जैन (भापुसे-2022)- प्रशिक्षु, जिला बिलासपुर से नगर पुलिस अधीक्षक, जगदलपुर, जिला जगदलपुर,साकोर मानसी नानाभाउ (भापुसे-2023)- प्रशिक्षु, जिला रायपुर से सहायक पुलिस आयुक्त, आजाद चौक, रायपुर नगरीय,आदित्य कुमार (भापुसे-2024)- प्रशिक्षु, जिला राजनांदगांव से नगर पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव, जिला राजनांदगांव,प्रतीक बंसोड़े (भापुसे-2024)- प्रशिक्षु, जिला कांकेर से नगर पुलिस अधीक्षक, अंबिकापुर, जिला सरगुजा

रायपुर दूधाधारी बजरंग गर्ल्स कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के प्रसिद्ध शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय (DB गर्ल्स कॉलेज) में छात्राओं की सुविधाओं और परिसर के कायाकल्प को लेकर बड़ी पहल की जा रही है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.जया तिवारी द्वारा उच्च शिक्षा संचालनालय के अपर संचालक को प्रेषित किए गए प्रतिवेदन में परिसर की व्यवस्थाओं और भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय का मुख्य भवन लगभग 60 वर्ष पुराना हो चुका है, जिसे लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा डिस्मेंटल करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके साथ ही संस्थान की ओर से पूरे महाविद्यालय का विस्तृत रिनोवेशन कराने हेतु एक विशेष प्रस्ताव संचालनालय उच्च शिक्षा को भेजा गया है। छात्राओं की दैनिक सुविधाओं और हाइजीन का ध्यान रखते हुए कॉलेज प्रशासन कई स्तरों पर कार्य कर रहा है। परिसर में पेयजल के लिए 7 वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक खराब वाटर कूलर की तत्काल मरम्मत कराई जा रही है।

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ : रमेन डेका

रायपुर ■ दैनन्दिनी



राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल श्री डेका आज सरकंडा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चौम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलो से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे है। राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर बिलासपुर श्री संजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष श्री अरुण द्विवेदी, महासचिव श्री शम्भू सोनी, बिलासपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला, सहित खेल संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान-

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com